● वर्ष-2
● अंक-209
रायपुर, रविवार
23 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmailÐcom

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 23 अप्रैल रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 25 अप्रैल मंगलवार को प्रकाशित होगा।

नेताओं के रिश्तेदारों को मिला टिकट

भाजपा-कांग्रेस हो या जेडीएस कोई पीछे नहीं

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रचार जोरों पर है। सारी पार्टियां प्रचार में अपनी ताकत झोक रही हैं। चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया 20 अप्रैल को पूरी हो गई। इसके साथ ही राज्य की सभी सीटों के लिए उम्मीदवार तय हो गए। हालांकि, इन सीटों पर राज्य के तीनों बड़े दलों भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस ने कई नेताओं के परिवारजनों को टिकट थमाया है। जिन्हें टिकट मिला है उनमें नेताओं के बेटे, बेटियां, बहु, पत्नी, बहनोई, भाई, चाचा आदि शामिल हैं।

भाजपा अक्सर विरोधी दलों पर परिवारवाद और वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाती है। हालांकि, कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी खुद भी इससे अलग नहीं हैं। इसके उम्मीदवारों की सूची राजनीतिक परिवारों के प्रत्याशियों से भरी हुई है। शिग्गांव विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एसआर बोम्मई के बेटे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, लेकिन उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र उनकी जगह शिकारीपुरा से मैदान में हैं। कुमार बंगारप्पा सोराब सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके पिता एस. बंगारप्पा राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

बोम्मई सरकार में मंत्री शशिकला जोले निप्पानी सीट से उम्मीदवार हैं। उनके पति अन्ना साहब जोले चिक्कोडी से सांसद हैं। कर्नाटक के परिवहन मंत्री बी श्रीरामुलु बल्लारी सीट से और उनके भतीजे टीएच सुरेश बाबू कामप्ली सीट से प्रत्याशी बनाए गए हैं। पर्यटन मंत्री आनंद सिंह की जगह उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह को विजयनगर से उम्मीदवारी थमाई गई है।

बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या के चाचा और विधायक रवि सुब्रमण्यम बसवनगुडी से दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। कोप्पल से बीजेपी सांसद कराडी संगन्ना की बहू मंजुला अमरेश को टिकट दिया गया है। चिंचोली प्रत्याशी अविनाश जाधव गुलबर्गा सांसद उमेश जाधव के बेटे हैं।

पूर्व मंत्री गली जनार्दन रेड्डी के दो भाई सोमशेखर रेड्डी और करुणाकर रेड्डी भी इस चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं। सोमशेखर बेल्लारी सिटी से तो करुणाकर हरपनहल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। रमेश जारकीहोली और बालचंद्र जारकीहोली भाई हैं। रमेश को गोकक सीट से और बालचंद्र को अराभवी से टिकट थमाया गया है। पूर्व मंत्री उमेश कट्टी के परिवार को दो टिकट मिले हैं। उनके बेटे निखिल कट्टी हुक्केरी सीट से उम्मीदवार हैं और दिवंगत मंत्री के भाई रमेश कट्टी चिक्कोडी-सदलगा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

गुलबर्गा उत्तर से उम्मीदवार चंद्रकांत पाटिल पूर्व एमएलसी बीजी पाटिल के बेटे हैं। महादेवपुरा (एससी) निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा विधायक अरविंद लिंबावली की जगह उनकी पत्नी मंजुला अरविंद लिंबावली को सीट से उम्मीदवार बनाया है। सीवी रमन नगर के मौजूदा विधायक और प्रत्याशी एस रघु, पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली के बहनोई हैं।

रत्ना विश्वनाथ ममानी को सौंदत्ती येल्लम्मा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। रत्ना, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष विश्वनाथ ममानी की पत्नी हैं। गुलबर्गा दक्षिण से फिर से चुनाव लड़ रहे दत्तात्रेय पाटिल के माता-पिता विधायक रह चुके हैं। हनूर से प्रत्याशी प्रीतम नागप्पा पूर्व मंत्री एच. नागप्पा के बेटे हैं। उनकी मां परिमल नागप्पा भी विधायक थीं। हुमनाबाद सीट से उम्मीदवार सिद्धू पाटिल भाजपा के पूर्व एमएलसी बासवराज पाटिल के भतीजे हैं।

अफजलपुर से चुनाव लड़ रहे पूर्व मंत्री मलिकय्या गुट्टेदार और अलंद विधायक सुभाष गुट्टेदार रिश्तेदार हैं। हुबली-धारवाड़-पश्चिम के विधायक और इस चुनाव के प्रत्याशी अरविंद बेलाड पूर्व विधायक चंद्रकांत बेलाड के बेटे हैं। धारवाड़ सीट से विधायक और प्रत्याशी अमृत देसाई पूर्व विधायक अयप्पा बसवराज देसाई के बेटे हैं।

भालकी उम्मीदवार प्रकाश खंडरे पूर्व मंत्री भीमन्ना खंड्रे और ईश्वर खंड्रे के रिश्तेदार हैं। हिरियूर से प्रत्याशी पूर्णिमा श्रीनिवास पूर्व मंत्री ए कृष्णप्पा की बेटी हैं। चित्रदुर्ग विधायक और प्रत्याशी जी.एच. थिप्पारेड्डी, पूर्व मंत्री अश्वथ रेड्डी के भाई हैं। तुमकुरु शहर के उम्मीदवार जी.बी. ज्योति गणेश तुमकुरु सांसद जीएस बसवराज के बेटे हैं। सिरा उम्मीदवार राजेश गौड़ा चित्रदुर्ग, पूर्व सांसद सी.पी. मुदालगिरियप्पा के बेटे हैं। गांधीनगर से प्रत्याशी सप्तगिरि गौड़ा पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा के बेटे हैं।

रामनगर के उम्मीदवार गौतम गौड़ा के पिता, मारिलिंगे गौड़ा, जेडीएस के एमएलसी थे। नंजनगुड से उम्मीदवार बी हर्षवर्धन चामराजनगर के सांसद श्रीनिवास प्रसाद के दामाद हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्धारमैया ने वरुणा विधानसभा सीट से अपने बेटे यतींद्र की जगह ली है। 2018 के विधानसभा चुनाव में सिद्धारमैया ने यह सीट अपने बेटे को दे दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को चित्तपुर (एससी) सीट से टिकट मिला है। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार कनकपुरा विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं।

इसरो ने सैटेलाइट टेलीओएस-2 और ल्यूमलाइट-4 लॉन्च किया

विशाखापट्टनम। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार दोपहर को पीएसवीएलवी-सी 55 रॉकेट से सिंगापुर के दो सैटेलाइट टेलीओएस -2 और ल्यूमलाइट-4 सफलतापूर्वक लॉन्च किए। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इन सैटेलाइटों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया। इन दोनों सैटेलाइट के साथ पीओईएम भी उड़ान भरेगा। पीओईएम अंतरिक्ष के वैक्यूम (निर्वात) में कुछ टेस्टिंग करेगा। यह पीएसवीएलवी की 57वीं उड़ान थी। पीओईएम का पूरा नाम पीएसएलवी ऑरबिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल है। पीएसएलवी चार स्टेज वाला रॉकेट है। इसके तीन स्टेज तो समुद्र में गिर जाते हैं। आखिरी यानी चौथी स्टेज जिसे पीएस-4 भी कहते हैं, सैटेलाइट को अपनी कक्षा में पहुंचाने के बाद अंतरिक्ष का कचरा भर रह जाता है। अब इसी के ऊपर प्रयोग करने के लिए पीओईएम का इस्तेमाल किया जाएगा। ऐसा चौथी बार किया जा रहा है।

क्या है ल्यूमलाइट-4

इसे सिंगापुर के इन्फोकॉम रिसर्च इंस्टीट्यट और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के सैटेलाइट टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर की साझेदारी में बनाया गया है। इसका उद्देश्य सिंगापुर की ई-नेविगेशन समुद्री सुरक्षा को बढ़ाना और ग्लोबल शिपिंग कम्युनिटी को फायदा पहुंचाना है। यह 16 किलो का है।

क्या है टेलीओएस-2

यह एक टेली कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। सिंगापुर सरकार ने इसे वहां के इंजीनियरिंग छात्रों की मदद से तैयार किया है। यह 741 किलो वजनी है। बता दें, यह आपदा प्रबंधन से जुड़ी सूचना देगा।

दहशतगर्दी का नया हथियार स्टिकी बम

■ पुंछ हमले में इस्तेमाल स्टिकी बम, आतंकी इसे नया हथियार क्यों बना रहे हैं?

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों ने एक बार फिर कायराना हमले को अंजाम दिया है। गुरुवार को पुंछ जिले में दहशतगर्दों के हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। इस बीच, सेना के सूत्रों ने कहा है कि इस हमले में स्टिकी बम और स्टील बुलेट्स का इस्तेमाल किया गया था। यह कोई पहली बार नहीं है जब इस बम का इस्तेमाल हुआ हो, इससे पहले पिछले साल उधमपुर और कटरा में आतंकियों ने इसके जरिए दहशतगर्दी फैलाई थी। पुंछ में क्या हुआ है? आखिर क्या हैं स्टिकी बम जिनका हमले में इस्तेमाल हुआ? इसका इस्तेमाल क्यों बढ़ रहा है? भारत में इसका इस्तेमाल कब-कब हुआ? इसका इतिहास क्या है? गुरुवार को पुंछ जिले के भाटादूड़ियां इलाके में सैन्य वाहन पर आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए। आतंकियों के हमले से वाहन में आग लग गई। जवान आग में झुलस गए। एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए सैन्य अस्पताल भेजा गया। पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार दोपहर बाद तीन बजे के करीब सेना की 49 राष्ट्रीय राइफल (आरआर) का एक सैन्य वाहन रसद लेकर भिंबर गली से गांव संगयोट स्थित सैन्य मुख्यालय की तरफ जा रहा था। इस दौरान भाटादूड़ियां और तोता गली के बीच अचानक आतंकियों ने घने कोहरे व बारिश के बीच इस वाहन पर हमला कर दिया।

राहुल आलसी किस्म की राजनीति करते हैं - केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के इरादे के बिना अजीबोगरीब आरोप लगाने और वादे करने की आलसी किस्म की राजनीति करते हैं। राजीव चंद्रेशखर की टिप्पणी राहुल गांधी के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है जिसमें कांग्रेस नेता ने जातिगत जनगणना की पैरवी की थी और कर्नाटक में कई तरह की रियायतें देने का वादा किया था। चंद्रशेखर ने इस बात पर भी भरोसा जताया कि कर्नाटक में भाजपा के कुछ प्रमुख नेताओं की बगावत पार्टी को आने वाले विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल करने से नहीं रोक पाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के भाजपा नेताओं ने 10 मई को होने वाले चुनाव में पहली बार 74 नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के कड़े फैसले के बाद पीढ़ीगत बदलाव को स्वीकार कर लिया है।

कर्नाटक से राज्यसभा सांसद चंद्रशेखर ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा की पहचान राज्य के भविष्य के साथ की जाने लगी है, जबकि कांग्रेस और जनता दल (सेक्युलर) अतीत की आलसी, हकदार और शोषक राजनीति के प्रतीक हैं। दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस पार्टी के ट्रैक रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हुए चंद्रशेखर ने राहुल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को लुभाने के लिए बेरोजगारों और महिलाओं के लिए भत्ते सहित कई वादे किए और जातिगत जनगणना की मांग

का समर्थन किया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी चाहते हैं कि लोग यह भूल जाएं कि उनकी पार्टी ने दशकों तक शासन किया है।

भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी जिस तरह की राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं, यह सबसे आलसी प्रकार की राजनीति है। उन्होंने आगे कहा, उनकी राजनीति का मतलब कुछ अजीबोगरीब कहना, कुछ आरोप लगाना, वादे करना और फिर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने का कोई इरादा न रखते हुए चले जाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब वे सरकार में थे तब उन्होंने ओबीसी के लिए कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री और कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार के तहत इस समुदाय के लिए किए गए सभी कार्यों को देखें। वादे करना और गायब होना कांग्रेस की शैली है। उन्होंने दावा किया कि वे पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जो वादे किए उसे कभी पूरा नहीं किया। भाजपा नेता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी जैसे लिंगायत नेताओं के दलबदल से पार्टी को समुदाय के समर्थन में सेंध नहीं लगेगी। उन्होंने लिंगायत समुदाय के नेताओं के लिए भाजपा की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता, मान्यता और सम्मान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, एक या दो नेता, जो अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को सबसे आगे रखना चाहते थे, कांग्रेस या जद (एस) में चले गए।

प्रमुख समाचार

पक्षकार अपनी मनचाही दलील के साथ अदालत में नहीं जा सकते- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका को 25,000 रुपये के जुर्माने के साथ खारिज कर दिया, जिसमें महात्मा गांधी की हत्या में भूमिका के लिए नवंबर 1949 में फांसी पर लटकाए गए नारायण डी आप्टे के एक रिश्तेदार को सार्वजनिक माफी जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में एक कानून की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती दी गई है, जिसने एक विशेष न्यायाधीश को एक अभियुक्त को क्षमादान देने के लिए कार्योत्तर शक्तियां प्रदान की थीं, जिसमें कहा गया था कि गांधी हत्याकांड में विनायक दामोदर सावरकर को गलत तरीके से फंसाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था। पीठ ने अभिनव भारत कांग्रेस द्वारा इसके संस्थापक अध्यक्ष पंकज के फडनीस के माध्यम से दायर याचिका में की गई प्रार्थनाओं में से एक का भी उल्लेख किया।

सीएम बना तो कर्नाटक के लोगों से कहूंगा नहीं खरीदें अमूल का दूध-सिद्धारमैया

सूरत। गुजरात स्थित डेयरी सहकारी अमूल और कर्नाटक स्थित नंदिनी के बीच संभावित विलय से इनकार करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री बने, तो वह कर्नाटक के लोगों से कहेंगे कि वे अमूल का दूध न खरीदें। अमूल को अपने वर्तमान उपभोक्ता आधार पर टिके रहना चाहिए। कर्नाटक में घुसकर वह स्थानीय किसानों के साथ अन्याय करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए हम अमूल की एंट्री का विरोध करेंगे। अगर मैं सीएम बन जाता हूं, तो मैं लोगों से अमूल दूध नहीं खरीदने के लिए कहूंगा। कर्नाटक के पूर्व सीएम ने शनिवार को एक निजी चैनल के कार्यक्रम में बोलेत हुए कहा कि विपक्ष का रुख बाज़ार-विरोधी नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि कृत्रिम मांग पैदा करना अच्छा नहीं है।

किसी की मेहरबानी से हम सरकार नहीं चला रहे- शिवराज

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में वार-पलटवार का दौर लगातार जारी है। मध्यप्रदेश में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। चुनावी साल में

राजनीति भी जबरदस्त तरीके से हो रही है। दूसरी ओर कांग्रेस लगातार यह दावा कर रही है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से भाजपा सत्ता में आई। इसी को लेकर अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। शिवराज ने साफ तौर पर कह दिया कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में रहते तो कितना अपमान सहते। अपने बयान में उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस में कितना अपमान सहते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चुनाव लड़ा ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम पर और बुजुर्ग कमलनाथ जी को मुख्यमंत्री बना दिया। शिवराज ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि सरकार भी कमलनाथ जी नहीं पीछे से दिग्गी राजा (दिग्विजय सिंह) चला रहे थे।

यूपी में कानून का राज और ये सब के लिए समान- योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि उत्तर प्रदेश

में कानून का राज है और ये सब के लिए समान है। आजमगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में योगी ने कहा कि आज ईद है, ईद की नमाज पढ़ी जा रही है लेकिन कहीं भी सड़क पर नमाज नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि कोई आवागमन बंद नहीं है क्योंकि सभी को मालूम है कि ये कानून का राज है और ये सब के लिए समान है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यहां कानून सभी के लिए बराबर लागू होता है। इसके साथ ही योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ जैसे जनपद के नाम से लोग घबराते थे। लेकिन आज यह विकास के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि आज आजमगढ़ एक्सप्रेस हाइवे से भी जुड़ा है, आजमगढ़ में एयरपोर्ट भी बन रहा है। आजमगढ़ में विश्वविद्यालय भी बना रहे हैं।

कर्नाटक के भाजपा नेता ईश्वरप्पा ने लिया राजनीति से सन्यास

बेंगलुरू। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों बड़ा उलटफेर चल रहा है। बता दें कि हाल ही में बीजेपी के वरिष्ठ नेता केएस ईश्वरप्पा ने चुनावी राजनीति छोड़ने का ऐलान किया था। जिसके बाद उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष ने उनको सन्यास लेने के लिए कहा था। जिसके बाद उन्होंने अपने इस फैसले को सार्वजनिक किया था। हालांकि इससे पहले केएस ईश्वरप्पा ने कहा था कि वह अपनी इच्छा से सन्यास ले रहे हैं। ईश्वरप्पा ने यह ऐलान भाजपा उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने से पहले की थी। जिसके बाद में अटकलों का बाजार गर्म हो गया था। ऐसी अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि ईश्वरप्पा को पार्टी में दरकिनार किया जा रहा है। वहीं विधान परिषद में ईश्वरप्पा जेपी नड्डा को पत्र लिखा था। जिसमें कहा गया था कि वह अपनी स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेना चाहते हैं। इसलिए इस बार के विधानसभा चुनाव के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र के लिए उनके नाम न शामिल किया जाए।

राजस्थान में इस बार के विधानसभा चुनाव में राज बदलेगा या रिवाज?

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में सिर्फ सात महीने का समय रह गया है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत बना कर चुनावी व्यूह रचना बनाने में लग गए हैं। जहां सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मानना है कि उनकी लोक हितकारी योजनाओं से इस बार के चुनाव में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज बदल जाएगा। वहीं भाजपा सहित सभी विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि प्रदेश की जनता गहलोत सरकार को हटाकर राज बदलने को तैयार बैठी है। वोट पड़ेंगे तब राज बदल जाएगा।

राजस्थान में सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने कोटा के नवीन पालीवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना प्रारंभ कर दिया है। आप ने विधानसभा चुनाव का प्रभारी राज्यसभा सांसद व पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक को पहले ही नियुक्त कर रखा है। दिल्ली के द्वारका से विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात के 7 विधायकों- अमनदीप सिंह गोल्डी, नरेश यादव, चेतर वसावा, नरेंद्र पाल सिंह सवाना, हेमंत खावा, शिवचरण गोयल और मुकेश अहलावत को सह प्रभारी लगाया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जयपुर में रोड शो करके एक जनसभा को भी संबोधित कर

चुके हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे रामपाल जाट को 628 वोट ही मिल पाए थे। यही हाल अन्य प्रत्याशियों का रहा था। 2018 के चुनाव में आप को प्रदेश में 0.38 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि अब पार्टी के नेता प्रदेश में अगली सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं।

राजस्थान में मुख्य विपक्षी दल भाजपा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 1.22 प्रतिशत यानी एक लाख 77 हजार 699 वोट अधिक प्राप्त कर 79 सीट अधिक जीत ली थी। वहीं इतने वोटों के अंतर पर भाजपा की 90 सीटें कम हो गई थी। जिससे भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी। अपनी पिछले विधानसभा चुनावों की कमी को दूर करने के लिए भाजपा अभी से जुट गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रदेश की राजनीति में सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर काम कर रही है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण समाज के चंद्रप्रकाश जोशी (सीपी जोशी) को नियुक्त किया गया है। सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से दूसरी बार लोकसभा सदस्य हैं। जयपुर में कुछ दिनों पूर्व ही ब्राह्मण समाज ने लाखों लागों को एकत्रित कर एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया था। जिसमें ब्राह्मण समाज ने प्रदेश की सभी पार्टियों से उनके समाज को सत्ता में अधिक भागीदारी देने की मांग की थी। उस सम्मेलन के कुछ दिनों बाद ही भाजपा ने सीपी जोशी की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कर दी।भाजपा ने राजपूत समाज के सातवीं बार विधायक बने राजेंद्र राठौड़ को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। जबकि प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए डॉक्टर सतीश पूनियां को विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष बना कर जाट समाज को भी साधने का काम किया है। सतीश पूनियां पहली बार आमेर से विधायक बने हैं। इसलिए उन्हें उपनेता का पद ही मिल पाया है। चर्चा है कि मीणा समाज के राज्यसभा सदस्य डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। राजपूत समाज के गजेंद्रसिंह शेखावत, यादव (अहीर) समाज के डॉक्टर भूपेंद्र यादव, ब्राह्मण समाज के अश्विनी वैष्णव केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।जाट समाज के कैलाश चौधरी, अनुसूचित जाति के अर्जुन राम मेघवाल केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। बनिया समाज के ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं। वही गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। झुंझुनू से सांसद, केंद्र सरकार में उप मंत्री, अजमेर जिले के किशनगढ़ से विधायक व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ भी उपराष्ट्रपति पद पर हैं। गुर्जर समाज की अलका गुर्जर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव हैं।

नक्सली मुठभेड़ में बस्तर की दो महिला हुई ढेर

14-14 लाख का ईनाम था घोषित

राजनांदगांव। पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के बालाघाट में शनिवार की अलसुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई, जिसमें बस्तर की रहने वाली दो महिला नक्सली ढेर हो गई जिन पर 14-14 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। मुठभेड़ में ढेर हुए महिला नक्सली की सुनिता और सरिता के रूप में शिनाख्ती हुई है। घटना की पुष्टि बालाघाट रेंज आईजी संजय सिंह ने की है।

गढ़ी क्षेत्र के कदला गांव में कुछ नक्सली राशन लेने के लिए पहुंचे थे। पुलिस को इसकी भनक लगी। बीती रात करीबन 3 बजे गांव के बाहर के जंगल में नक्सली और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। जिसमें हॉकफोर्स के जवानों ने बहादुरी के साथ लड़ते हुए दो महिला नक्सली को मार गिराया। मौके पर खून के धब्बे के आधार पर अन्य नक्सलियों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक मारी गई नक्सली सुनिता भोरमदेव दलम की एरिया कमेटी मेम्बर है। वह 2015 में एमएमसी जोन में माड से पहुंची थी। टांडा दलम में वह लगभग एक साल काम करने के बाद विस्तार दलम में शामिल हो गई।

इसी तरह दूसरी नक्सली सरिता 2016 में लाई गई थी। वह कबीर के साथ रहते हुए विस्तार दलम में काम कर रही थी। सरिता खटियामोचा दलम की सदस्य है । पुलिस ने घटनास्थल से श्री नॉट-श्री हथियार और कारतूस, दैनिक उपयोग का सामान और अन्य सामान जब्त किए हैं। पुलिस का दावा है कि वारदात के बाद घायल नक्सलियों की खोजबीन चल रही है।

टिफिन बम के साथ एक नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान थाना भैरमगढ़, जांगला, नैमेड़, डीआरजी एवं 222 केरिपु कोड़ेपाल की संयुक्त बल थाना नैमेड़ से ग्राम कैका, कडेर, गुन्डापुर, कचिलवार, पेद्दाजोजेर की ओर एवं थाना गंगालूर से जिला पुलिस बल मय बीडीएस टीम के साथ कमकानार, चिन्नाजोजेर की ओर गश्त सर्चिंग पर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान कमकानार व चिन्नाजोजेर के मध्य जंगल में नक्सली विनोद हेमला पिता सुखलू उर्फ सुक्कू हेमला जाति मुरिया, उम्र 33वर्ष, साकिन दुरधा थाना नैमेड़ को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक टिफिन बम बरामद कर बीडीएस की टीम द्वारा निष्क्रिय किया गया। उक्त नक्सली के विरूद्ध थाना गंगालूर में कार्यवाही उपरांत न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय बीजापुर पेश किया गया है।

20 क्विंटल धान खरीदी से किसानों की आय दुगुनी होगी : डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

■ **बटनहर्रा क्षेत्र के कृषकों को 142 हे. क्षेत्र में मिलेगा सिंचाई सुविधा का लाभ**

नगरी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव के प्रयासों से निरन्तर सिहावा क्षेत्र में विकास की एक नई धारा बह रही है। इसी के तहत नगरी क्षेत्र के ग्राम बटनहर्रा में बटनहर्रा के बांध मरम्मत एवं नाहर लाइनिंग व पक्की संरचनाओं के निर्माण हेतु विधायक महोदया के अथक प्रयास से प्रशासनिक लागत 199.13 लाख रु की स्वीकृति क्षेत्रवासियों को सौगात के रूप में मिल रही है।

ज्ञात हो कि बटनहर्रा जलाशय जिसका निर्माण 1975 में किया गया था। लगभग47 वर्ष पुराने उक्त बांध रखरखाव की कमी व अतिवृष्टि होने के कारण नाहर क्षतिग्रस्त हो गया था।जिसके कारण योजनाओं की रूपांतरित सिंचाई क्षमता 142 हे. क्षेत्र से 32 हे. में ही हो पा रही थी एवं

लाभान्वित कृषकों को लगभग 110 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रही थी लेकिन मरम्मत कार्य हो जाने से अब कृषकों को लगभग 142 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। जिससे क्षेत्र के कृषक समृद्धि एवं खुशहाल होंगे। विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार हमेशा से ही कृषकों को खुशहाल करने वाली सरकार रही है। कृषको के बारे में सोचने वाली सरकार छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों के लिए कई योजना लागू की है जिसमें नरवा, गरवा, घुरवा बारी छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्य योजनाओं में से एक है। नरवा योजना के तहत आज छत्तीसगढ़ में विभिन्न नहर नालियों का मरम्मत कार्य उच्च स्तर में कराया जा रहा है ताकि छत्तीसगढ़ की कृषि कार्य के लिए सिंचाई के लिए परेशानी का सामना करना ना पड़े छत्तीसगढ़ की ही सरकार है जिसने कृषकों से 2500 रु में धान खरीद कर पूरे विश्व में सबसे अधिक मूल्य में धान खरीदी करने ख्याति प्राप्त पाने वाला सरकार छत्तीसगढ़ सरकार है साथ ही भूपेश बघेल जी ने आगामी दिनों में कृषकों से 20 क्विंटल धान खरीदी करने का वादा किया है जिससे निश्चित ही कृषकों की आय और दोगुनी होगी जिससे कृषक और पूरा छत्तीसगढ़ विकास की ओर अग्रसर होगा। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से ब्लॉक अध्यक्ष नगरी भूषण साहू, मंडी बोर्ड नगरी के सदस्य राजेंद्र सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सविता सोन, ई.ई देव साहब, ग्रामीण के वरिष्ठ जन इतवारी साहू, मिलाऊ राम नागवंशी, यशवंत देव, चेनू राम, गणेश देव, हरीश चंद्र साहू ,बोधी राम नेताम, एसरी बाई, कुंजाम, सकून बाई दुर्गेश बाई, मंथन बाई, काली बाई, शयम बाई, आदि की उपस्थिति में भूमिपूजन कार्य संपन्न हुआ।

अक्ती तिहार पर रचाई गुड्डे-गुड़िया की शादी, गली-मोहल्लों में सजे मंडप

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शनिवार को अक्षय तृतिया (आक्ती तिहार) का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही ग्रामीण अंचलों में गुड्डे-गुड़िया की शादी रचाई गई। इस दौरान हर गली-मोहल्ले में मंडप सजे। विधिवत विवाह की परंपराएं निभाई गईं और गुड्डे-गुड़ियों की शादी की। विवाद गीत बजते रहे और बच्चों से लेकर बड़ों तक ने उस पर जमकर डांस किया। शादी के बाद गुड़ियों की विदाई की भी रस्म निभाई गई। वहीं किसानों ने अपने खेतों में पहुंच कर बीज की बोआई की।

अक्षय तृतीया पर पर सबसे ज्यादा बच्चों में उत्साह दिखाई दिया। बच्चों को पर्व का महत्व बताने गुड्डे-गुड़ियों की शादी रचाई गई। घरों में बच्चों की टोली ने बड़ों के साथ मिलकर मंडप सजाया। फिर विधि-विधान के साथ गुड्डे-गुड़ियों की शादी की। छोटे से नगाड़े के साथ बॉक्स में बज रहे फिल्मी गीत पर झूमते हुए नन्हें-मुन्हें बराती निकले। घरातियों ने भी उनका स्वागत किया। सारा इंतजाम बच्चों की ओर से किया गया था। अक्ती के मौके पर गांव के गली मोहल्लों में विवाह गीत बजते रहे।

इससे पहले बच्चों ने गुड्डे-गुड़ियों के ब्याह का निमंत्रण दिया। गुड़िया की शादी में बच्चों ने चूलमाटी से लेकर हल्दी चढ़ाने की रस्म निभाई। एक आम शादी की तरह ही सभी रस्म पूरी की गई। बच्चों का पक्ष गुड्डे और दूसरा पक्ष गुड़िया के साथ रहा। मंडप तक बरात पहुंचे और विवाह की रस्म पूरी की। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए परिवारजन और मोहल्ले वासी भी पहुंचे। गुड्डे-गुड़िया को पीले चावल का तिलक लगाते हुए टिकवन भेट किया। फिर मंडप में बच्चों का उत्साहवर्धन करने बड़ों ने टिकावन दिया।

अक्षय तृतीया पर विवाह के छह लग्नों का संयोग, बाजार में रौनक

कोरबा। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया के अवसर पर अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाएगा। छह शुभ योग में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। विवाह के लिए स्वाभाविक लग्न माने जाने के कारण इस दिन को विवाह के लिए अति शुभ माना जाता है। इसे लेकर बाजार में रौनक बनी हुई है। जमकर खरीदारी का दौर चल रहा है। शहर व उपनगरीय क्षेत्रों में भगवान परशुराम जयंती पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के आयोजित किए जाएंगे।

अबूझ मुहुर्त मे ही बह्मदेव ने सृष्टि की रचना की थी। इस पर्व में स्वर्णए धान के दान का विशेष महत्व है। इससे जीवन में सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। ज्योतिषाचार्य मूलचंद शास्त्री ने बताया कि इस बार अक्षय तृतीया बेहद खास है, क्योंकि इस दिन त्रिपुष्कर योग, आयुष्मान योग, सौभाग्य योग, रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं। इन योगों में विवाह आयोजनों की भरमार रहेगी। इसके लिए लोगों बैंड बाजा, बारातघर, बाराती बस, टेंट आदि को पहले से ही बुक करा लिया है। खरीदारी के लिए सराफ, बर्तन, इलेक्ट्रानिक, होजियरी आदि दुकानों में जमकर खरीदारी के साथ अक्षय तृतीया को लेकर बाजार में रौनक छाई हुई है।

विधायक जैन ने मुस्लिम धर्मावलंबियों को दी ईद की बधाई

जगदलपुर। शनिवार सुबह संसदीय सचिव व विधायक जगदलपुर रेखचंद जैन ने अपने सहयोगियों के साथ ईदगाह भाटा पहुंच मुस्लिम धर्मावलंबियों को ईद की मुबारकबाद दी। नमाज अदा कर बाहर निकले हजारों रोजेदारों को श्री जैन ने बधाई देते कहा कि हमारा बस्तर शांति और सौहार्द्र के लिए जाना जाता है जिसमें सर्व धर्मों एवं समाजों की प्रमुख भूमिका है, मुस्लिम समाज इनमें से एक है। इससे पूर्व सुबह ईदगाह भाटा के बाहर पहुंचकर उन्होने शीतल पेय समेत तमाम व्यवस्थाओं की कमान अपने साथी शुभचिंतकों व सहयोगियों के साथ संभाली। इस दौरान श्री जैन के साथ सदर हाजी हाशिम खान, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव शर्मा, पूर्व महापौर जतिन जायसवाल, नगर निगम अध्यक्ष कविता साहू, वारिस रिजवी, जीशान कुरैशी, सत्तार अली, अमजद खान, अनवर खान, योगेश पानीग्राही, जावेद खान, सीमाब खान, महबूब खान, मुजीब खान, पार्षद इमरान खान, विक्रम सिंह डांगी, कमलेश पाठक, सुनीता सिंह, यशवंत ध्रुव, सुखराम नाग, दयाराम कश्यप, सूर्या पाणि, सुशील मौर्य, सैम्युअल नाथ, अब्दुल जमील, अकील खान, अब्दुल रशीद, अब्दुल सईद, रहमान, मोइन कुरैशी, मोइन

अख्तर, अल्ताफ खान, जाहिद हुसैन, जफर अली, मो. रियाज खान, गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय, हरिशंकर ठाकुर, एस नीला, केसर चेरपा, माधुरी शर्मा, कनकदेई नाग, धर्मेंद्र चौहान, फैज़ल नवी, विकास राव, गौरव आयंगर, तुषाल काले आदि मौजूद थे।

जामा मस्जिद पहुंचकर दी ईद की अग्रिम शुभकामनाएं

शुक्रवार शाम जगदलपुर विधायक व संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने जामा मस्जिद परिसर के पास इफ्तार दावत दी। उन्होने नमाज अदा करने आए मुस्लिम धर्मावलंबियों को गले लगाकर ईद की अग्रिम शुभकामना भी दी। शाम लगभग चार बजे मस्जिद परिसर के पास अपने सहयोगियों के साथ विधायक जैन पंहुचे। उन्होने रोजेदारों के फ्लाहार, शीतल पेय आदि की व्यवस्था की। इस दौरान उनके साथ हाजी हाशिम खान, वासिम खान, एस करीमुद्दीन, शकील खान, शकील रिजवी, रहमान, अकील खान आदि मौजूद थे।

विश्व पुस्तक दिवस पर डॉ.महेश शर्मा की कृति साहित्य और समाज पर समीक्षा-संगोष्ठी आज

भिलाई। आगामी विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल को सायं 4 बजे साहित्य मनीषी आचार्य डा.महेश चन्द्र शर्मा की नवमी पुस्तक साहित्य और समाज पर समीक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामनगर, गदा चौक भिलाई में साहित्य सृजन परिषद भिलाई एवं देववाणी संस्कृत विद्यालय रामनगर भिलाई का यह संयुक्त आयोजन है।

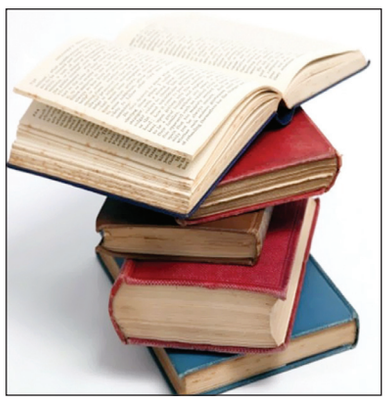

लेखक डा.महेश छत्तीसगढ़ के जानेमाने संस्कृति-शिक्षाविद् हैं , वे देश-विदेश के अनेक सफल सांस्कृतिक और शैक्षणिक भ्रमण करचुके हैं। किताब का प्रकाशन छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से हुआ है। इस पुस्तक के 126 लघु ललित निबंधों में उनके 4-5 दशकों के उच्च शैक्षणिक पठन - पाठन और अनुसंधान का प्रभाव भी स्पष्ट दिखायी देता है। प्रख्यात चित्रकार हरिसेन के प्रासंगिक रेखाचित्रों ने किताब में मानो चार चाँद लगा दिये हैं। समीक्षा - संगोष्ठी के मुख्य अतिथि साहित्य-संस्कृति प्रेमी और वरिष्ठ समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल हैं , जबकि अध्यक्षता साहित्य सृजन परिषद भिलाई के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि श्री एन.एल. मौर्य प्रीतम करेंगे।

वरिष्ठ लेखिका एवं पूर्व प्राध्यापक डा.नलिनी श्रीवास्तव, वीणापाणि साहित्य समिति दुर्ग के अध्यक्ष प्रदीप वर्मा एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री काशीनाथ वर्मा आदि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थिति रहेंगे। कवयित्री शुचि भवि संचालन और कृतज्ञता ज्ञापित करेंगी कवयित्री नीलम जायसवाल। कवि त्रिलोकी नाथ कुशवाहा अंजन ने सभी साहित्य रसिकों से उपस्थिति का विशेष आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

भाजपा के ईश्वर साहू दर्री मंडल अध्यक्ष बने

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय की अनुमति और जिला संगठन प्रभारी श्याम बिहारी जायसवाल व सह प्रभारी गोपाल साहू की सहमति से भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा के अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह के द्वारा कोरबा जिले में निम्नलिखित संगठनात्मक नियुक्तियां की गई है। जारी किए गए आदेश के अनुसार दरी मंडल से नारायण ठाकुर को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। वही दर्री मंडल के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ईश्वर साहू तथा महामंत्री की जिम्मेदारी मनोज लहरे को सौंपी गई है। जारी किए गए दूसरे आदेश के अनुसार टेकचंद अग्रवाल को जिला व्यवसायी प्रकोष्ठ का संयोजक तथा वीरेंद्र मोहन जायसवाल को भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा का विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

खाने की तलाश करते मैदानी इलाके में आया चीतल

लोरमी। मुंगेली वनमण्डल के लोरमी वन परिक्षेत्र अंतर्गत तुलसाघाट नर्सरी के पास शुक्रवार तड़के सुबह चीतल घायल अवस्था में मिला। जिसे देखने लोगों की भीड़ उमड़ गई। वहीं नर्सरी के चौकीदार के इस घायल चीतल को देखने पर इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को दी। जिसके बाद मौके पर वन परिक्षेत्र लोरमी के रेंजर सहित वन अमला पहुंचा। जहां उन्होंने चीतल को रेस्क्यू कर उसता पशु चिकित्सालय में प्राथमिक इलाज किया गया। पूरे मामले को लेकर वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल चीतल को मशक्कत के बाद पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि खाने-पीने की तलाश में जंगल से भटककर हिरण मैदानी इलाके में आ गया था। जिसकी सूचना के बाद पशु चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार लोरमी के पशु विभाग के चिकित्सालय में किया गया। घटना को लेकर पशु चिकित्सक प्रमोद नामदेव ने बताया कि सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घायल चेतन को प्राथमिक उपचार के बाद कानन पेंडारी भेजा गया है।

ट्रेलर ने बुजुर्ग को रौंदा, लोगों ने किया चक्काजाम

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में औद्योगिक क्षेत्र थाना तमनार अंतर्गत हमीरपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर की ठोकर से यात्री प्रतीक्षालय में बैठे 70 वर्षीय वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं प्रतीक्षालय और ठेला भी ट्रेलर की टक्कर से पूरी तरह चकनाचूर हो गया। जानकारी के अनुसार, थाना तमनार अंतर्गत हमीरपुर में तेज रफ्तार वाहन के चालक ने प्रतीक्षालय और ठेला को रौंदते हुए वृद्ध को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में श्रद्धाकर निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद सरपंच सुरेश खंडाइत और उपसरपंच आशीष मिश्रा के नेतृत्व दर्जनों ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई को लेकर चक्काजाम कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण मिंज ने उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर आक्रोशित ग्रामीणों को समझाइश दी। तहसीलदार तमनार लीलाधर चन्द्रा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की ओर से 25 हजार रुपये और ट्रेलर मालिक ने 50 हजार रुपये तत्काल मौके पर मृतक परिवार को दिया।

रिसाली बस्ती रेलवे पहुँच मार्ग अत्यंत जर्जर

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के पुराने निगम आफिस शिवाजी चौक से लेकर रेलवे फाटक तक की सड़क अत्यंत जर्जर है। जिसके कारण आवागमन करने वालो को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही शीतला मंदिर से लक्ष्मी नगर चौक तक के अगल-बगल रोड चौड़ीकरण के लिए लोगों के घर के सामने खोद दिए गए हैं। जिससे वार्डवासियों को काफी दिक्कत हो रही है। बताया जाता है कि आज से 4 महीने पहले काम शुरू किया गया था।जो अभी भी अधूरा है।नगर पॉलिक निगम भिलाई के पूर्व विधायक प्रतिनिधि कमलेश हिरवानी ने सीघ्र रिसाली तालाब रेलवे सड़क मार्ग को बनाने की माग रिसाली निगम के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से की है।

रेमावंड के हल्का पटवारी को एसडीएम ने किया निलंबित

नारायणपुर। जिले के रेमावंड के हल्का पटवारी चंद्रेश पात्र द्वारा तहसीलदार के आदेश के बाद भी अभिलेख दुरूस्त नहीं करने के कारण एसडीएम द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। इसके अनुसार चन्द्रेश पात्र, पटवारी हल्का नंबर 09 रेमावंड द्वारा शिकायतकर्ता राजमन वड्डे, निवासी ग्राम कुढारगांव के बंटवारा प्रकरण में तहसीलदार के द्वारा आदेश किए जाने के बाद भी अभिलेख दुरूस्त नहीं किया गया था। इस संबंध में हल्का पटवारी ने संतोषप्रद व समाधान कारक जवाब व दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 (अ).(ब). (स) के विरुद्ध है। आचरण नियम 12 के तहत दोष सिद्ध पाया गया है। इस निलंबन अवधि में पटवारी चन्द्रेश पात्र का मुख्यालय एसडीएम कार्यालय नारायणपुर नियत किया गया है।

युवा कांग्रेस का यूथ जोड़ों बूथ जोड़ों अभियान

नगरी। यूथ कांग्रेस की टीम इन दिनों मिशन 2023 की तैयारियों में जुटी हुई नजर आ रही है। यूथ कांग्रेस द्वारा यूथ जोड़ो जोड़ो अभियान सिहावा विधानसभा में चलाया जा रहा है। यह अभियान हर बूथ तक जाएगा। इस अभियान के जरिए युवा कांग्रेस की टीम हर बूथ में पहुंचकर यूथ को जोड़ने का काम कर रही है।

प्रमोद कुंजाम जिला उपाध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के द्वारा यह टास्क दिया गया है। जिससे डिजिटल अब युवा सीधा दिल्ली युवा कांग्रेस कार्यालय से जुड़ेंगे। उसमें हम काम कर रहे हैं हर बूथ पर 10 यूथ जोड़ रहे हैं। युवा जुड़कर मतदान केंद्र प्रबंधन के साथ पार्टी से जोड़ने का काम हो रहा है। युवाओ को जागरूक कर रहे हैं और बीजेपी की गलत नीतियों के कारण देश में बेरोजगारी, महंगाई बढ़ी है उस पर चर्चा कर रहे हैं। आगे सोनू चौहान विधानसभा अध्यक्ष ने बताया यह अभियान बूथ स्तर तक युवाओं को जोड़ने का है। युवा कांग्रेस 2023 के चुनाव में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। निचले पायदान तक जाकर हम संगठन को मजबूत कर रहे हैं।

केन्द्र सरकार के खिलाफ नुक्कड़ सभा का आयोजन

शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मगरलोड के ग्राम पंचायत में एआईसीसी,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम व जिला कांग्रेस अध्यक्ष शरद लोहाना के निर्देश पर सिहावा क्षेत्र के विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के मार्गदर्शन में

डीहू राम साहू अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मगरलोड के तत्वाधान में जय भारत सत्याग्रह के अंतर्गत केंद्र सरकार के खिलाफग्राम पंचायत सरगी एवं नगर पंचायत मगरलोड के भैसमुंड़ी में नुक्कड़ सभा का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

जिसमे प्रमुख रूप से श्रीमती अम्बिका मरकाम पूर्व विधायक सिहावा एवं उपाध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी, प्रभात राव पीसीसी सदस्य, लक्ष्मीकांता साहू छाया विधायक कुरूद,ज्योति दिवाकर ठाकुर अध्यक्ष जनपद पंचायत मगरलोड,नीतू खिलावन साहू अध्यक्ष नगर पंचायत मगरलोड, चन्दन बाफना पूर्व अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस, डांकुवर साहू प्रभारी महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मगरलोड,कुसुम लता साहू जिला पंचायत सदस्य, हेमंत साहू उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, भूपेश सिन्हा उपाध्यक्ष नगर पंचायत मगरलोड,प्रमोद कुंजाम उपाध्यक्ष जिला युवा कांग्रेस, शंकर साहू सरपंच मेघा ,कांति साहू एल्डरमैन नगर पंचायत मगरलोड, बिसहत साहू उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस, बालगोविंद साहू सचिव जिला कांग्रेस,संतोष गायकवाड़,मोहन चक्रधारी,घनश्याम साहू, उमेंद सिन्हा पूर्व जोन अध्यक्ष सिंगपुर,युवराज साहू बूथ अध्यक्ष भरदा,दुजराम ध्रुव, मेघनाथ साहू,जगत साहू,तुलसी राम ध्रुव राकाडीह, बहुर राम साहू आदि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पीएमजीएसवाई के अधूरे व गुणवत्ताहीन निर्माण कर पूरी राशि निकाल ली गई: जेसीसीजे

बीजापुर। जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क पुल पुलिया का निर्माण कार्य में सड़कों का आधे अधूरे निर्माण और गुणवत्ता हीन निर्माण के साथ राजनीतिक प्रभाव और दबाव बना कर पूरी राशि निकाली गई है। जिसकी शिकायत और जांच की मांग जेसीसीजे के बीजापुर जिला अध्यक्ष विजय झाड़ी ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर किया है।

जेसीसीजे के बीजापुर जिला अध्यक्ष विजय झाड़ी ने बताया कि पीएमजीएसवाई बीजापुर संभाग में धर्मेंद्र मिश्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी और गुप्ता कंस्ट्रक्शन के नाम पर सड़को का आधा अधूरा निर्माण कार्य कर विभाग के

अधिकारियों और ठेकेदार के मिलीभगत से भारी भ्रष्टाचार को अंजाम दिए गए हैं। इन कंस्ट्रक्शन कंपनियों द्वार गांव के पुराने सड़कों को डोजर गाड़ियों से मरम्मत कर बिलिंग किया गया है। गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी के कार्य डमपाया से बंदेपारा, बारेगुड़ा से खासपारा, उल्लूर से केरपे, मूरदोडा से बंजारापारा, बारेगुड़ा से खासपारा तथा धर्मेंद्र मिश्रा कंस्ट्रक्शन कार्य चेरकंटी से कोटर, कंदूलनार से स्कूलपारा, मोरमेड़ से कचलाराम, कुटरु से पाताकुटरु,पाता कुटरु से कुमलेर, चिंतनपल्ली से आदेड़, आकलंका से हुर्रेदुगेली, गुद्दीपाल से आदेड़ शामिल है।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों में माफदंड का ध्यान में नही रखा गया है और न ही सड़क निर्माण के कार्य पूरे हुए हैं। आधे अधूरे निर्माण कार्य के पूरे भुगतान लिए गए हैं जो की सड़क निर्माण के नाम पर भारी भ्रष्टाचार को दर्शाता है। राज्यपाल महोदय से मांग की गई है कि दोनों कंपनियों द्वारा कराए गए सड़क निर्माण गुणवत्ता व पुल पुलियों के निर्माण भुगतान की निष्पक्ष जांच करवाकर आवश्यक कार्रवाई किया जावे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

24-25 अप्रैल को अलग-अलग राज्यों के दौरे पर रहेंगे मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 और 25 अप्रैल को देश के अलग-अलग राज्यों के दौरे पर जाएंगे। इस बात की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई है। उनका यह दौरा उत्तर में दिल्ली से शुरू होकर, सबसे पहले मध्य भारत-मध्य प्रदेश की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान, पीएम 8 कार्यक्रमों में शामिल होंगे और 7 अलग-अलग शहरों की यात्रा करेंगे। 24 अप्रैल को पूर्वाह्न लगभग 11:30 बजे, प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश के रीवा में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां वह लगभग 19,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 25 अप्रैल को सुबह करीब 10:30 बजे प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, पूर्वाह्न लगभग 11 बजे, प्रधानमंत्री सेंट्रल स्टेडियम, तिरुवनंतपुरम में 3200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

जान दे देंगे लेकिन एनआरसी लागू नहीं होने देंगे : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। ईद के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा, अगर हम लोग मिल गए तो उनकी कुर्सी चली जाएगी। उन्होंने आह्वान किया, 2024 में लोकसभा चुनाव है, जो लोग बाहर काम करते हैं, चुनाव के समय जरूर आएं। उन्होंने कहा, आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है। हम मिलकर लड़ेंगे। ममता ने यहां रेड रोड पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, हम जान दे देंगे, लेकिन एनआरसी लागू होने नहीं देंगे। हम जिंदगी दे देंगे, लेकिन देश को टुकड़ा होने नहीं देंगे। हम शांति चाहते हैं। लेकिन किसी के आगे सिर नहीं झुकाएंगे। हम गद्दार पार्टी-एजेंसी से लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आप शांति से रहें। उन्होंने सभी को ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा, इतिहास बदला जा रहा है। संविधान बदला जा रहा है। अगर लोकतंत्र चला गया तो सब कुछ चला जाएगा।

अंकिता दत्ता कांग्रेस से छह साल के लिए निष्कासित

गुवाहाटी। असम यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष अंकिता दत्ता को आखिरकार पार्टी ने 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि पार्टी-विरोधी गतिविधियों के लिए अंकिता दत्ता पर कार्रवाई की गई है। अंकिता को लेकर ऐसी कार्रवाई की आशंका हालांकि पहले से ही जताई जा रही थी। दरअसल, उन्होंने हाल में एक के बाद एक कई ट्वीट कर भारतीय युवा कांग्रेस के प्रमुख श्रीनिवास बीवी के खिलाफ उत्पीड़न और लैंगिक आधार पर भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए थे। अंकिता की ओर से आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से यह कहते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि उन्होंने पहले पार्टी नेतृत्व को सूचित किये बगैर ही आरोपो को क्यों सार्वजनिक तौर पर रखा। हालांकि दत्ता ने अपने ट्वीट में कहा था कि उन्होंने इस बारे में राहुल गांधी को बताया था लेकिन उनके आरोपों पर किसी भी जांच का आदेश नहीं दिया गया।

अजित पवार महाराष्ट्र के सीएम बनने के काबिल : राउत

मुंबई। राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने में सक्षम हैं क्योंकि उनके पास व्यापक प्रशासनिक अनुभव है। एकनाथ शिंदे की ओर इशारा करते हुए राउत ने कहा कि कुछ अयोग्य लोग विभाजन करके राज्य के मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने कहा, कौन मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहेगा? और अजित पवार मुख्यमंत्री बनने में सक्षम हैं। वह इतने सालों से राजनीति में हैं और कई बार मंत्री रह चुके हैं। उनके नाम सबसे अधिक बार उप मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने का रिकॉर्ड है। हर कोई सोचता है कि उनको मुख्यमंत्री बनना चाहिए। 23 नवंबर, 2019 को भारतीय जनता पार्टी के नेता देवेंद्र फडणवीस और पवार ने क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। हालांकि, 28 नवंबर को बहुमत साबित किए बिना सरकार गिर गई थी।

कांग्रेस ने सिंधिया के नाम लड़ा चुनाव और कमलनाथ को बना दिया सीएम : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस लगातार यह दावा कर रही है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से भाजपा सत्ता में आई। इसी को लेकर अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। शिवराज ने साफ तौर पर कह दिया कि ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में रहते तो कितना अपमान सहते। अपने बयान में उन्होंने कहा कि आखिर कांग्रेस में कितना अपमान सहते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चुनाव लड़ा ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम पर और बुजुर्ग कमलनाथ जी को मुख्यमंत्री बना दिया। शिवराज ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि सरकार भी कमलनाथ नहीं पीछे से दिग्विजय सिंह चला रहे थे...अगर वो गलत लोग होते तो जनता हजारों वोटों से कैसे जीता देती। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि किसी की मेहरबानी से हम सरकार नहीं चला रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा- कांग्रेस ने पीएफआई को संभाल कर रखा, हमने बैन लगाया

कर्नाटक में पूर्ण बहुमत के साथ जीत रही भाजपाः शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा है कि उनकी पार्टी कर्नाटक में पुर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। एक समाचार चैनल से बातचीत में शाह ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ जीत रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सामाजिक न्याय में विश्वास रखती है, संस्कृति को मजबूत करने में विश्वास रखती है, जनता के बीच आर्थिक रूप से समानता लाने में विश्वास रखती है, समग्र दृष्टि से विकास को आगे ले जाने में विश्वास रखती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने इन चारों क्षेत्रों में बहुत अच्छा काम किया है और कर्नाटक की जनता का भरोसा प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि हमने कर्नाटक में एससी, एसटी, वोक्कालिगा और लिंगायत के लिए आरक्षण बढ़ाया है। हम देश के संविधान के अनुसार काम करते हैं। हमने उन पुरानी प्रथाओं और कानूनों को समाप्त कर दिया जो किसी न किसी रूप में संविधान के विरुद्ध थे।

शाह ने कर्नाटक की जनता से साफ तौर पर कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार से ही विकास संभव है। क्योंकि कई राज्य सरकारों का हमें अनुभव है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को यश मिलेगा, इस भय से वे लोग गरीब कल्याण की योजनाओं को गरीबों तक नहीं पहुंचने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिल्लीवालों को नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि अरविंद केजरीवाल को डर है कि इससे मोदी जी को यश मिलेगा। किसान सम्मान निधि का लाभ कई सालों से बंगाल के किसानों को नहीं मिला, क्योंकि ममता नहीं चाहती थी कि किसानों के खाते में मोदी जी के चेक जाए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि

कांग्रेस ने कर्नाटक में पीएफआई को संभाल कर रखा, बचाकर रखा, समर्थन करके रखा। भारतीय जनता पार्टी ने पीएफआई पर बैन लगाकर नकेल कसने का काम किया है। इसका सबसे बड़ा फायदा कर्नाटक को होने जा रहा है।

भाजपा नेता ने कहा कि दुर्भाग्य से कांग्रेस ने दिल्ली की तिजोरी भरने के लिए कर्नाटक को एटीएम बना दिया था। कर्नाटक पहली बार इससे मुक्त हुआ है। चुनाव आने दीजिए..और तेल और सच्चाई सामने आनी चाहिए! शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने ओबीसी का अपमान किया है तो माफी मांगने और न मांगने का फैसला भी वही करेंगे। कानून उनके समय में बना, जब मनमोहन सिंह इसे बदलना चाहते थे तो उन्होंने उनका ऑर्डिनेंस फाड़ डाला। मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि इस देश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी पर निजी हमले करना कोई नई बात नहीं है। इसकी शुरूआत मौत का सौदागर कहकर सोनिया गांधी ने करी थी। तब से लेकर जब-जब मोदी पर निजी हमले किए गए, मोदी हमेशा और मजबूत हुए हैं। जनता ने उनका और समर्थन किया है और मुझे पूरा भरोसा है कि 2024 में 300 से ज्यादा सीटों के साथ फिर एक बार भाजपा की सरकार बनेगी।

सत्यपाल मलिक के आरोपों पर अमित शाह का पलटवार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। एक कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि सत्यपाल मलिक को सारी बातें हमारा साथ छोड़ने के बाद ही क्यों याद आ रही हैं? अमित शाह एक सवाल के जवाब में कहा, उनको ये सारी बातें हमारा साथ छोड़ने के बाद ही क्यों याद आ रही हैं? अंतरात्मा उस वक्त क्यों जागृत नहीं होती जब लोग सत्ता में होते हैं। सत्यपाल मलिक की बात सही है तो वे गवर्नर रहते हुए चुप क्यों रहे? सत्यपाल मलिक को गवर्नर रहते हुए ही इस विषय पर बोलना चाहिए था। जो बातें उन्होंने कही हैं वो सार्वजनिक चर्चा के विषय नहीं हैं। राहुल गांधी के मामले पर अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी ने ओबीसी का अपमान किया है तो माफी मांगने और न मांगने का फैसला भी वही करेंगे। कानून उनके समय में बना, जब मनमोहन सिंह इसे बदलना चाहते थे तो उन्होंने उनका ऑर्डिनेंस फाड़ डाला। मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि इस देश में कानून से ऊपर कोई नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के केरल दौरे से पहले मिली आत्मघाती हमले की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीकेरल, दमन और दीव, दादर और नागर हवेली और मध्य प्रदेश का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री का ये दौरा 24 अप्रैल से 25 अप्रैल तक होगा लेकिन पीएम के इस दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर है। प्रधानमंत्री के 24 अप्रैल को कोच्चि दौरे के दौरान हमले की सूचना है। हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ धमकी भरा पत्र मिला है। इस पत्र में उनके केरल दौरे के दौरान आत्मघाती हमले का जिक्र किया गया है। सूचना मिलने के बाद से केरल में पीएम के दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने पत्र मिलने के बाद मामले की जांच तेज कर दी है। गौरतलब है कि पत्र मलयालम भाषा में लिखा गया है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के.सुरेंद्रन ने बताया कि सभी निर्धारित कार्यक्रम प्रदेश होंगे। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का विवरण देते हुए, सुरेंद्रन ने पहले कहा था कि भाजपा के शीर्ष नेता रोड शो करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की केरल यात्रा से राज्य के विकास को गति मिलेगी। इस यात्रा से केरल के लोगों में काफी उम्मीदें हैं। पीएम मोदी रोड शो करेंगे। लोग स्वेच्छा से उनका स्वागत करने आएंगे। युवम होगा। सम्मेलन जो केरल के राजनीतिक परिवर्तन की शुरुआत को चिह्नित करेगा। जो युवा दलगत राजनीति से परे केरल का विकास चाहते हैं, वे इसमें भाग लेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-भाजपा जातिगत जनगणना से डरती है

कर्नाटक में हम पूर्ण बहुमत से जीतेंगे भाजपा में असंतोष ज्यादा: खड़गे

नईदिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने दावे कर रहे हैं। इन सब के बीच कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ा दावा किया है। खड़गे ने साफ तौर पर कहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस चुनाव जीतने जा रही है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे कहा कि कर्नाटक में हम पूर्ण बहुमत से जीतेंगे। सबसे बड़ा असंतोष कांग्रेस में नहीं भाजपा में है...मेरा मुख्य एजेंडा कांग्रेस को सत्ता में लाना है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा में, अन्य दलों के लिए पलायन चल रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या आपने कांग्रेस में भाजपा की तरह टिकटों की घोषणा के बाद कोई असंतुष्ट देखा है?

कर्नाटक चुनाव के बीच ही कांग्रेस की ओर से जातिगत जनगणना वाला दांव खेला गया है। राहुल गांधी ने कर्नाटक में एक सभा के दौरान इसका जिक्र किया था। उसके बाद खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र भी लिखा था। वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारत के दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बनने के मद्देनजर देश में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए जातिगत जनगणना बहुत जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जातिगत जनगणना से डरती है।

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के कार्यालय (सीएमओ) से विभिन्न जिलों के निर्वाचन अधिकारियों को फोन कर विधानसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा दायर नामांकन में खामी ढूंढने और भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों में गलतियों को सुधारने के लिए कहा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने मांग की कि निर्वाचन आयोग को मामले की जांच करनी चाहिए और सच्चाई पता लगाने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का कॉल डिटेल मंगानी चाहिए।

कर्नाटक में कांग्रेस उम्मीदवारों के आवेदन खारिज करने की साजिश

बेंगलुरु। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई के कार्यालय से विभिन्न जिलों के रिटर्निंग अफसरों को फोन कर कांग्रेस उम्मीदवारों के आवेदन खारिज करने को कहा जा रहा है। कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने चुनाव आयोग से इस मामले की जांच की मांग की है। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ बड़ी साजिश रची जा रही है। इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर हमला बोला और चुनाव आयोग से जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यह बताने की जरूरत नहीं है कि कितनी बड़ी टीम कांग्रेस उम्मीदवारों के आवेदन खारिज करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के आरोपों पर मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और स्वतंत्र है। चुनाव आयोग नियमों से चलता है, इसलिए उसमें दखलअंदाजी करने का सवाल ही नहीं उठता। वह (कांग्रेस) अपनी हार से डरे हुए हैं, इसलिए इस तरह के निराधार, बेवजह के आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे उनके सवालों के जवाब देने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने डीके शिवकुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सिद्धारमैया के साथ क्या कर रहे हैं, उसे पूरा राज्य जानता है पहले उन्हें अपनी पार्टी में देखना चाहिए।

खेल
प्रमुख समाचार

ज्योति और देवताले ने चीनी ताइपे को हराकर स्वर्ण पदक जीता

नईदिल्ली। ज्योति सुरेखा वेनम और पदार्पण कर रहे ओजस देवताले की मिश्रित युगल जोड़ी ने कमाल कर दिया।

तुर्किये के अंताल्या में चल रहे तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण में कंपाउंड मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने 12वीं वरीय चीनी ताइपे की जोड़ी को हराया। वेनम और देवताले ने शनिवार को यहां चीनी ताइपे की टीम को 159-154 से हराकर विश्वकप तीरंदाजी के पहले चरण में कंपाउंड मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला। भारत का यह मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ज्योति और अभिषेक वर्मा ने पेरिस में 2022 में विश्वकप के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था।

राष्ट्रीय ट्रायल्स में टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे वर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा 16 निशानों में से 15 निशाने सही लगाकर अपनी 12वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदी टीम को एकतरफा फाइनल में आसानी से हराया। ज्योति और 20 वर्षीय देवताले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता। ज्योति और देवताले ने लगातार 'परफेक्ट 10' का स्कोर बनाया और जल्द ही 120-116 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर आसानी से पहला स्थान हासिल किया। ज्योति और ओजस ने फाइनल में चीनी-ताइपे के चेन यी-हुआन और चेन चीह-लुन के खिलाफ चार में से तीन में परफेक्ट 40 का स्कोर बनाया और लगभग विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। ज्योति और ओजस की जोड़ी ने मलेशिया के फतिन नूरफतेह मेत सालेह और मोहम्मद जुवैदी माजुकी की जोड़ी को 157-154 से हरा कर फाइनल का टिकट कटाया था।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

चौथी तिमाही में यस बैंक का मुनाफा 45 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में यस बैंक के मुनाफे में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। जनवरी से मार्च तिमाही में बैंक का शुद्ध 45 प्रतिशत घट गई है। ऐसा बैंक की ओर से खराब ऋण के लिए प्रावधानों को बढ़ाने के कारण हुआ है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ घटकर 2.02 अरब रुपये रह गया, पिछले वर्ष इसी अवधि में बैंक का मुनाफा पिछली 3.67 अरब डॉलर था। उस समय पिछली तिमाही की तुलना में बैंक के शुद्ध मुनाफे में तीन गुने की वृद्धि दर्ज की गई थी। रिफाइनिटिव के आंकड़ों के अनुसार, यस बैंक का मुनाफा विश्लेषकों की ओर से लगाए गए मुनाफे के अनुमान 2.88 अरब रुपये से काफी कम है। इस दौरान यस बैंक के प्रोविजन और आकस्मिक खर्च 2.71 अरब रुपये से बढ़कर 6.18 अरब रुपये हो गए हैं। बैंक का एनपीए एक वर्ष पहले 13.9% कम था।

निर्यात में सुस्ती के बावजूद अर्थव्यवस्था में लचीलापन

नई दिल्ली। भारत की आर्थिक गतिविधि मार्च में लचीली रही, हालांकि निर्यात की कमजोर गति और बेरोजगारी में वृद्धि ने देश के लिए विकास के अनुमानों को घटा दिया है। अर्थव्यवस्था के कई मानक इस बात के संकेत दे रहे हैं कि भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रही थी। मार्च में निर्यात में 13.9% की गिरावट आई। लगातार चौथे महीने इसमें गिरावट आई जबकि एक साल पहले की तुलना में इसमें 7.90% गिर गया। बार्कलेज पीएलसी के अर्थशास्त्री राहुल बाजोरिया ने कहा, धीमी वैश्विक अर्थव्यवस्था से आने वाली चुनौतियों का निर्यात पर और ज्यादा असर पड़ना शुरू हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में एक साल पहले की तुलना में मार्च में 57% की वृद्धि हुई है क्योंकि प्रमुख मोबाइल उपकरण निर्माता चाइना प्लस वन की रणनीति के साथ भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित कर रहे हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9 महीने के शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर लगातार दूसरे सप्ताह अच्छी खबर मिली है। बीते 14 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व में 1.65 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले, 7 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान भी इसमें 6.3 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार 586.41 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह जुलाई 2022 के बाद का शीर्ष स्तर है। उधर, अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में देखें तो वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले वहां लगातार तीन सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट हुई थी। वहां 14 अप्रैल 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में 39.42 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 4.43 अरब डॉलर का हो गया है। रिजर्व बैंक की आंकड़ों के मुताबिक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 586.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

अदाणी ग्रुप को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के ट्रान्सफर पर जीएसटी लागू नहीं

नईदिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अदाणी समूह को जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का संचालन सौंपने के सौदे पर जीएसटी लागू नहीं है। अग्रिम निर्णय प्राधिकरण ने अपने एक फैसले में यह बात कही। एएआई ने अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की राजस्थान-पीठ से पूछा था कि क्या अदाणी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को व्यवसाय सौंपने पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होगा। एएआई ने जानना चाहा था कि क्या इस सौदे के 'गोइंग कंसर्न' माना जा सकता है। जब किसी पूरे व्यवसाय को स्थानांतरित किया जाता है और भविष्य में उसे स्वतंत्र रूप से चलाया जाता है, तो इस स्थानांतरण को 'गोइंग कंसर्न' कहते हैं। इस पर जीएसटी लागू नहीं है।

मनमोहन के दस बनाम मोदी के नौ साल, कैसा रहा अर्थव्यवस्था?

बिक्रम उपाध्याय

आइये सबसे पहले हम चिंदबरम का 2004 का वह बजट भाषण देखते हैं जब भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए को हराकर कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सत्ता में आई थी और चिदबंरम ने यूपीए सरकार का पहला बजट पेश किया था। 8 जुलाई 2004 को बजट पेश करते हुए चिदंबरम ने कहा था - भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार मजबूत दिखाई दे रहे हैं और भुगतान संतुलन काफी दुरूस्त है। भारत की विकास दर में स्थिरता बनी रहेगी। चिंदबरम का भाजपा के साथ कभी कोई प्रेम नहीं रहा, लेकिन वह आंकड़ों को झुठला नहीं सकते थे। क्योंकि जब वाजपेयी ने सत्ता छोड़ी तो विकास दर 8.5 प्रतिशत थी, जो कि 1975-76 के बाद सबसे अधिक थी।

कांग्रेस के 9 साल के शासन के बाद इन्हीं चिदंबरम ने 28 फरवरी 2013 को अपने बजट भाषण में कहा था मैं शुरूआत में ही संदर्भ स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि वैश्विक आर्थिक विकास दर 2011 में 3.9 प्रतिशत के बाद 2012 में 3.2 प्रतिशत पर आ चुकी है और भारत भी वैश्विक अर्थव्यवस्था का हिस्सा है। हमारी अर्थव्यवस्था भी 2010-11 में सिकुड़ी है। सीएसओ ने 5 प्रतिशत और रिजर्व बैंक ने 5.5 प्रतिशत आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया है, अब अंतिम आकड़ा जो भी आए, निश्चित रूप से हमारी क्षमता से कम होगा। यानी अपने 9 साल के शासन में कांग्रेस ने अतिविश्वास के साथ जिस पारी की शरूआत की, उसे 2013 आते आते पूरी तरह खो दिया और आर्थिक बदहाली के लिए बहाने बनाने लग गई।

यूपीए 2 की कहानी देश को आर्थिक रूप से बर्बादी की ओर ले जाने, भ्रष्टाचार के अधिकतम अवसरों को भुनाने और कांग्रेस अध्यक्ष को प्रधानमंत्री से ऊपर दिखाने की पटकथा है। नवंबर 2010 में जब राडिया टेप कांड सामने आया तो यह उजागर हो गया कि बिना लक्ष्य और सिद्धांत के किसी सरकार में कोई दल या व्यक्ति शामिल होता है तो देश का किस तरह बंटाधार होता है। संसाधनों का गीदड़ों की तरह बंटवारा जिस तरह से यूपीए 2 के समय हुआ, उसका उदाहरण भारतीय राजनीति में कभी नहीं मिल सकता।

10 साल की यूपीए की सरकार दस बड़े घोटाले के साथ इतिहास में दर्ज है। कोयला घोटाला, टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला, चॉपर घोटाला, ट्रक घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, कैश फॉर वोट घोटाला, आदर्श घोटाला, सत्यम घोटाला, आईपीएल घोटाला और चीनी घोटाला। खैर भूतकाल के आंकड़े पर भविष्य का भारत खड़ा नहीं हो सकता था। इसके लिए वर्तमान को सही रास्ते पर चलकर जाना होगा। नरेंद्र मोदी ने जब सरकार की कमान 2014 में संभाली तो देश का आर्थिक हिसाब बिगड़ा हुआ और तंत्र बिखरा हुआ था। पूरे विश्व में हमारी जीडीपी दसवें नंबर की थी। लगभग दो खरब डॉलर की। हम ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, इटली और रूस से भी काफी पीछे थे। बिजनेस कांफिडेंस लेवल न्यूनतम था। 9 साल प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को काम करते हो गए। आकलन के लिए बहुत नहीं तो कम समय भी नहीं है। हालांकि आंकड़े सब कुछ नहीं कहते लेकिन अगले साल चुनाव में जाने से पहले मोदी सरकार के आंकड़ों का ही परीक्षण होना है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की दिशा स्पष्ट है- पहले भारत को 5 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है और फिर देश को विकसित अर्थव्यवस्था की कैटेगरी में ला खड़ा करना है। मोदी ने जब 2014 में सत्ता संभाली तो भारत का जीडीपी दो खरब डॉलर का था अब 2023 में पौने चार खरब डॉलर का है। मोदी की जिद है कि 2025 तक इसे 5 खरब डॉलर तक पहुंचाना ही है। इसके लिए विकास दर 6 प्रतिशत से ऊपर चाहिए, तो वह है। ग्लोबल क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर रैंकिंग में 184 देशों में भारत का स्थान पांचवा है। रोड एंड ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी का दावा है कि 2024 के अंत तक भारत का सड़क नेटवर्क अमेरिका के बरबार हो जाएगा और हमारी लॉजिस्टिक लागत 16 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत पर आ जाएगी। अब यहां से आगे बढ़ना है तो देश की अर्थव्यस्था को भी दुगनी रफ्तार बढ़ानी होगी, जिसे लेकर कांग्रेस में विश्वास नहीं और मोदी आत्मविश्वास से भरपूर हैं।

कारोबारी को शक की निगाह से ही क्यों देखा जाता है?

उमेश चतुर्वेदी

राहुल गांधी की अगुआई में जारी अभियान के चलते उद्योगपति गौतम अडानी अरसे से चर्चा में हैं। जिस हिंडनबर्ग रिपोर्ट की वजह से अडानी राहुल गांधी समेत तकरीबन समूचे नरेंद्र मोदी विरोधी राजनीतिक खेमे के निशाने पर हैं, उस रिपोर्ट पर मराठा दिग्गज शरद पवार ने सवाल उठा दिया है। शरद पवार ने कहा है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पीछे विशेष एजेंडा की आशंका है। पवार के इस आरोप के बाद विपक्षी खेमे को सूझ नहीं रहा कि वह अडानी मामले को किस हद तक आगे ले जाए। भारतीय कारोबार जगत की फितरत है, जब भी कोई कारोबारी घराना उभरता है, उसकी सफलता को सिर्फ और सिर्फ खास नजरिए से देखा जाता है। यह पहला मौका नहीं है, जब अडानी जैसा कोई कारोबारी निशाने पर है। पिछली सदी के नब्बे के दशक को याद कीजिए। तब अंबानी घराना ऐसे ही निशाने पर रहता था। दिलचस्प यह है कि तब रिलायंस इंडस्ट्रीज के उभार पर सवाल उठते थे। सवाल तो उस बिरला घराने पर भी उठे हैं, जिसके प्रमुख घनश्याम दास बिरला गांधी जी के नजदीकी थे। पिछली सदी के साठ के दशक में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के राज्यसभा सदस्य रहे बालकृष्ण गुप्ता ने बिरला को बेजा फायदे पहुंचाने को लेकर ना सिर्फ तब सोशलिस्टों के प्रमुख पत्र जन में धारावाहिक तौर पर लिखा था, बल्कि राज्यसभा में उस पर चर्चा की मांग की थी। बालकृष्ण गुप्त के उन भाषणों का संग्रह पुस्तक रूप में प्रकाशित हो चुका है। वैसे अडानी पर यह पहला मौका नहीं है, जब आरोप लगा है। यह भी दिलचस्प है कि अडानी घराने की कंपनियां राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकारों के साथ काम कर रही हैं। फिर भी कांग्रेस के आलाकमान के निशाने पर अडानी हैं। कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ के हसदेव इलाके में जारी खनन को लेकर अडानी पर सवाल उठे थे। बीते साल दिसंबर महीने में एक-दो दिन छोड़कर लगातार अडानी घराना निशाने पर रहा। भारत सरकार की नीतियों के अनुसार छत्तीसगढ़ की कोयला खदानों को राज्यों के बिजली बोर्डों को कैप्टिव पावर प्लांट को कोयले की सप्लाई के लिए दिया गया था। उनमें राजस्थान सरकार के निगम राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम को छत्तीगढ़ जंगल में खदाने आवंटित की गई। दिसंबर में आरोप लगा कि परसा केते खदान से कोयला निकालने के लिए अडानी की कंपनी से जो समझौता किया है, उसके तहत राजस्थान सरकार अडानी पर मेहरबान है। छत्तीसगढ़ की सिविल सोसायटी की ओर से यह आरोप लगा कि जनवरी 2021 से दिसंबर 2021 के बीच परसा केते माइन्स से एक लाख 87 हजार 579 डब्बे कोयले की ढुलाई हुई। जिसमें राजस्थान को 49 हजार 229 वैगन कोयला नहीं गया। बल्कि मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों की कंपनियों को गया। जिसमें अडानी ने मोटा मुनाफा कमाया। लेकिन अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के साथ हुए समझौते के तहत उसकी भूमिका बेहद सीमित है। उसका काम परसा और केंते खदान से निकलने वाले वाश्ड कोयले की ढुलाई राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के उन ताप विद्युत केंद्रों को करना है, जिन्हें निगम कहता है। इसलिए उस पर ऐसे आरोप बेहद निराधार हैं। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित परसा-केते कोयला ब्लॉक से कैप्टिव पावर प्लांट के लिए 2013 से ही कोयला निकाला जा रहा है।

मोदी लेकर आ रहे भाजपा का सबसे बड़ा एजेंडा

अजय सेठिया

मोदी सरकार ने पिछले लोकसभा चुनाव के बाद दो बड़े काम किए हैं, अब तीसरे की बारी है। दूसरी बार सरकार बनने के सिर्फ दो महीने बाद ही गृहमंत्री अमित शाह ने 5 और 6 अगस्त को उस अनुच्छेद 370 को एक झटके में खत्म कर दिया था, जिसके बारे में कहा जाता था कि यह कभी हो ही नहीं सकता। फिर उसी साल के आखिर में सिर्फ दो दिन के भीतर 10-11 दिसंबर को नागरिकता संशोधन क़ानून पास करवा लिया गया था।

इस बीच 9 नवंबर 2019 को राम जन्मभूमि पर सुप्रीमकोर्ट का फैसला भी आ चुका था। तो सकपकाए विपक्ष और मुसलमान समुदाय का सारा गुस्सा नागरिकता संशोधन क़ानून के खिलाफ उतरा। जगह जगह लंबे लंबे धरने प्रदर्शन और जुलूस जलसे हुए। दिल्ली के शाहीन बाग़ में महीनों धरना चला। जिसे कई यूनिवर्सिटियों के अध्यापकों, वामपंथी छात्र संगठनों, फ़िल्मी हस्तियों, कवियों, साहित्यकारों ने समर्थन दिया। दिल्ली समेत कई जगहों पर हिंसा भी हुई। हालांकि नागरिकता संशोधन क़ानून मुसलमानों के खिलाफ नहीं, बल्कि मुस्लिम देशों में सताए जा रहे हिन्दुओं, सिखों, जैनियों, बोद्धों और ईसाईयों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए था। लेकिन भारत के कम्युनिस्ट विचारधारा के अध्यापकों, छात्र संगठनों, फ़िल्मी हस्तियों, कवियों, साहित्यकारों ने मुसलमानों को भड़काया कि यह क़ानून उनके खिलाफ है, यहां तक कि मीडिया में भी झूठा प्रचार किया गया। खालिस्तानी भी साथ जुड़ गए।

मानवाधिकार संगठनों ने भी देश और दुनिया में ऐसी हवा बनाई कि जैसे यह क़ानून मुसलमानों के खिलाफ था। जबकि मोदी सरकार ने मुस्लिम देशों में सताए जा रहे गैर मुस्लिमों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए पहले से मौजूद कानून को थोड़ा लचीला किया था, ताकि वे भारत की नागरिकता ले सकें। मोदी सरकार के लिए यह लिटमस टेस्ट था कि वह मानवाधिकारों की सुरक्षा के अपने एजेंडे पर चलेगी या झुक जाएगी। लेकिन मोदी सरकार टस से मस नहीं हुई। हां इतना जरुर हुआ कि सरकार तीन साल चुप करके बैठ गई, अपने अगले एजेंडे को बर्फ में डाल दिया।

इस साल के शुरू में एक और एजेंडा लागू हो चुका है। यह काम था मुगलों की वाहवाही करने वाले झूठे इतिहास वाली पाठ्य पुस्तकों को कूड़ेदान में फेंकना और सही इतिहास की पाठ्य पुस्तकों को स्कूली शिक्षा में लागू करवाना, ताकि बच्चे अपना इतिहास सही से जान सकें। साम्प्रदायिक आधार पर इस बड़े ऐतिहासिक सुधार का विरोध तो हुआ,

लेकिन सरकार ने सुधरी हुई पाठ्य पुस्तकें लागू कर दी हैं। मोदी सरकार चार सालों में चार बड़े मुद्दों पर अपने एजेंडे को लागू कर चुकी है। अब इन सब एजेंडों से बड़े एजेंडे की बारी है, जो भारत को सही अर्थों में सेक्यूलर देश बनाएगा। यह एजेंडा है एक देश - एक क़ानून को लागू करने का, यानि कॉमन सिविल कोड बनाना। संविधान के अनुच्छेद 44 में लिखा है कि राज्य देश के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करेगा। दुनिया के 125 से ज्यादा देशों में कॉमन सिविल कोड लागू है, यहाँ तक कि भारत के गोवा राज्य में भी कॉमन सिविल कोड लागू है। भारत की सुप्रीमकोर्ट कम से कम एक दर्जन बार सरकारों को यह याद दिला चुकी है कि उसे समान नागरिक संहिता बनानी है। लेकिन जब जब सुप्रीमकोर्ट का फैसला आया, तब तब तथाकथित सेक्यूलर दलों और मुसलमानों ने विरोध शुरू कर दिया। यहां तक कि धर्म को अफीम मानने वाले कम्युनिस्ट भी धर्म आधारित कानूनों की वकालत करने लगते हैं। भारतीय जनता पार्टी शुरू से ही समान नागरिक संहिता का समर्थन और मांग करती रही है। 370 की तरह यह भी उसके कोर एजेंडे में शामिल रहा है। उत्तराखंड और गुजरात विधान सभा चुनावों से पहले भाजपा ने समान नागरिक संहिता लागू करने का वायदा किया था। उत्तराखंड ने जन सुनवाई के बाद अपना प्रारूप तैयार भी कर लिया है। हजारों लोगों ने ड्राफ्ट बनाने में भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार लंबे समय तक जम्मू कश्मीर में रहे हैं, उन्होंने सुझाव दिया था कि जम्मू कश्मीर को तीन हिस्सों में बाँट कर कश्मीर समस्या का हल निकाला जा सकता है, उनके फार्मूले पर मंथन हुआ और नफा नुकसान का आकलन करने के बाद जम्मू कश्मीर को दो हिस्सों में बांटा गया। क्योंकि अगर जम्मू को अलग और कश्मीर को अलग राज्य बना दिया जाता, तो कश्मीरी पंडितों के पलायन के बाद कश्मीर शुद्ध रूप से मुस्लिम राज्य हो जाता।

अब वही अरुण कुमार समान नागरिक संहिता पर गंभीर काम कर रहे हैं। दुनिया भर के संविधानों को भी खंगाला जा रहा है, ताकि सब की अच्छी बातें समान नागरिक संहिता बनाते समय शामिल की जा सकें। अरुण कुमार भाजपा और संघ में तालमेल का काम भी देखते हैं। पिछले दिनों भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, संघ के सहसरकार्यवाह अरुण कुमार और संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर में इस मुद्दे पर मंथन हुआ है। बैठक में उत्तराखंड के प्रारूप को भी देखा गया। संगठन स्तर पर इस प्रारंभिक विचार विमर्श के बाद 17 अप्रेल को सरकारी स्तर पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई है, जिसमें गृहमंत्री अमित शाह, विधि मंत्री किरन रिजीजू, अटार्नी जनरल तुषार मेहता के अलावा दोनों मंत्रालयों के दर्जन भर अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में एक आयोग बना कर प्रारूप तैयार करने और फिर उस पर जनता की राय लेने का फार्मूला तय हुआ है, जैसा कि उत्तराखंड में किया गया था।

संविधान निर्माताओं की दो बातें ध्यान में आती है। पहली है, अनुच्छेद 370 और दूसरी, समान नागरिक संहिता। इन दोनों के बारे में संविधान निर्माताओं ने लिखा था कि 1952 में लागू व्यवस्था अस्थाई है, यानि 370 को जल्द से जल्द हटाया जाएगा, और धार्मिक आधार पर चल रही परम्पराओं और कानूनों को भी जल्द से जल्द खत्म करके समान नागरिक संहिता बनाई जाएगी। नेहरू सरकार ने दोनों ही मामलों में देश के साथ बेईमानी की। संविधान में समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रतिबद्धता के बावजूद उन्होंने बहुमत का नाजायज फायदा उठा कर 1956 में हिन्दुओं के लिए तो हिन्दू कोड बिल पास करवा दिया, जिसमें कई क़ानून बनाए गए, जो सिर्फ हिन्दुओं और हिन्दुओं के विभिन्न सम्प्रदायों पर लागू होते हैं। लेकिन मुसलमानों, ईसाईयों और पारसियों को उनकी परंपराओं के अनुसार चलने के लिए खुला छोड़ दिया गया। नतीजा यह निकला कि हिन्दू, सिख, जैन और बौद्ध तो प्रगतिशील कानूनों में बंध गए। जैसे वे अपनी 18 साल से कम उम्र की बेटियों की शादी नहीं कर सकते, लेकिन मुसलमानों, ईसाईयों, पारसियों पर यह क़ानून लागू नहीं होता। मुसलमानों पर उनके अपने मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड का क़ानून चलता है, जिसके अनुसार वे 9 साल की बच्ची की शादी भी कर सकते हैं, उन पर बाल विवाह निरोधक क़ानून भी लागू नहीं होता।

हिन्दू, सिख, जैन और बौद्ध बिना पहले तलाक के दूसरी शादी नहीं कर सकते, लेकिन मुसलमान चार शादियां कर सकते हैं। तलाक के मामले में मुस्लिम महिलाओं की जो दुर्गति थी, उसे सुप्रीमकोर्ट के आदेश से मोदी सरकार ने क़ानून बना कर थोड़ा ठीक किया है, अब मुस्लिम पति एक ही सांस में तलाक तलाक तलाक कह कर अपनी पत्नी को घर से नहीं निकाल सकते। लेकिन अभी भी मुस्लिम औरतों की दुर्गति करने वाले हलाला जैसे मुस्लिम क़ानून लागू हैं। इसी तरह देश में बच्चा गोद लेने का क़ानून बना हुआ है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड मुसलमानों को बच्चा गोद लेने का अधिकार नहीं देता। इसे भी सुप्रीमकोर्ट ने 2014 में थोड़ा ठीक किया है। जब सुप्रीमकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि जब तक अनुच्छेद 44 के अनुसार कॉमन सिविल कोड नहीं बनता, तब तक देश के क़ानून सब पर लागू होंगे। इस तरह तलाक और बच्चा गोद लेने के कानून सुप्रीमकोर्ट के हस्तक्षेप से मुसलमानों पर लागू हुए। इसी तरह जमीन के बंटवारे का मामला है। आप को एक उदाहरण दे कर समझाता हूं कि वहां कैसे मौलवी तय करते हैं कि परिवार में जमीन का बंटवारा कैसे होगा। उत्तर प्रदेश की जमीला खातून के पति का देहांत हो गया था, उसके पति ने खुद जमीन खरीदी थी, उसकी चार बेटियां थीं, लेकिन उसका देवर उस जमीन में से हिस्सा मांग रहा था। जमीला खातून मामले को मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के पास ले गई, जिसने फैसला दिया कि इस्लाम में पुश्तैनी जमीन का कोई सिद्धांत नहीं, सब कुछ व्यक्तिगत होता है। बोर्ड ने फैसला दिया कि जमीन के 24 हिस्से किए जाएं, जिसमें से तीन हिस्से वह खुद रखे, चार हिस्से देवर को दें, और बाकी के 17 हिस्से अपनी चार बेटियों में बराबर बांट दे, हर बेटी को सवा चार हिस्सा मिलेगा। यानि खुद खरीदी गई जमीन में से उस की पत्नी को तो तीन हिस्से मिले, लेकिन भाई को चार हिस्से मिले, जिसका न कुछ लेना, न देना।

कॉमन सिविल कोड पर हंगामा तो बहुत होगा, अब तक का सब से बड़ा हंगामा होगा। शायद यह नागरिकता संशोधन क़ानून और कृषि कानूनों के विरोध से भी बड़ा हंगामा होगा। क्योंकि सुन्नी मुसलमानों का सबसे बड़ा देवबंद मदरसा पहले ही कॉमन सिविल कोड के खिलाफ प्रस्ताव पास कर चुका है, लेकिन पश्चिम देशों से जैसी सपोर्ट उन्हें नागरिकता संशोधन क़ानून बनने पर मिली थी, वैसी कॉमन सिविल कोड पर नहीं मिलेगी, क्योंकि 125 से ज्यादा देशों में कॉमन सिविल कोड पहले से लागू है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापोनषद् (भाग-10)

गतांक से आगे...

मन को जब अपने वश में कर लिया जाता है, तब वह निश्चित ही शान्त हो जाता है। मन की चंचलता के शान्त होते ही इस संसार का विलय हो जाता है। जिस प्रकार सूर्य की गति (आलोक) शान्त हो जाने पर संसार का व्यवहार शान्त हो जाता है, वैसे ही शास्त्रों एवं सज्जनों की संगति से वैराग्य के अभ्यास का योग हो जाने से भी संसार शान्त हो जाता है।

सर्वप्रथम सांसारिक वृत्तियों के प्रति अनास्था उत्पन्न की जाए, तत्पश्चात् लम्बे समय तक ध्यान एवं एक तत्त्व का दृढ़ अभ्यास हो जाने से प्राण का स्पन्दन बन्द हो जाता है अर्थात् प्राणवायु को अपने वश में कर लिया जाता है। इसी प्रकार बिना श्रम के अधिक देर तक श्वास खींचते हुए पूरक आदि वायु के दृढ़ अभ्यास तथा एकान्त चिन्तन करने से मन की गति पूर्णतया बन्द हो जाती है (मन वश में हो जाता है)। तदनन्तर ?कार के उच्चारण के बाद शब्द तत्त्व की अनुभूति होने से सद्ज्ञान द्वारा सुषुप्ति का रूप जान लिया जाता है, तब प्राण की गति रुक जाती है अर्थात् प्राण तत्त्व को अपने वश में कर लिया जाता है । तालु के मूल में स्थित रहने वाली ग्रन्थि को जब सतर्कतापूर्वक जिह्वा द्वारा दबाया जाता है, तब प्राणवायु ऊपर के छिद्र में आ जाता है और तभी प्राणगति अवरुद्ध (अपने वश में) हो जाती है। तालु से ऊर्ध्व की ओर बारह अंगुल दूर तक गमन करने वाला प्राण गलित (चेष्टा-शून्य) हो जाता है, तब अभ्यास मात्र से ही ऊपर के छिद्र द्वारा प्राण का स्पन्दन अवरुद्ध किया जाता है। नासिका के अग्रभाग के सामने द्वादश अंगुल की दूरी पर पवित्र आकाश में ज्ञान दृष्टि जब अत्यन्त शान्त -हो जाती है, तभी प्राणों का स्पन्दन अवरुद्ध हो जाता है। भौंहों के मध्य में तारक ब्रह्म के साक्षात्कार होने पर शान्ति के मिल जाने से जगत् व्यापार बन्द होने लगते हैं तथा मानसिक संकल्प विराम लेते हैं, तभी प्राणगति अवरुद्ध हो जाती है। केवल प्रणव के स्वरूप में ही प्रादुर्भूत जो ज्ञानज्ञेय रूप तथा मंगलमय बनकर प्रकट होता है तथा जिसमें विकल्प के अंश का स्पर्श भी नहीं रहता, तभी प्राण की गति अवरुद्ध हो जाती है। हे मुने । चिरकाल तक हृदय प्रदेश में एकान्त आकाश की अनुभूति होने से वासना विहीन मन ध्यान-मग्न होने लगता है। इससे प्राण का स्पन्दन अवरुद्ध हो जाता है।

क्रमशः...

विश्व पुस्तक दिवस

हर साल बड़े धूमधाम से वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे मनाया जाता है। पुस्तक के जीवन महत्ता और उसकी आवश्यकता के प्रति जागरुक करने के लिए वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे मनाया जाता है। इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने '23 अप्रैल' को 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है।

वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे हर साल यूनेस्को द्वारा आयोजित किया जाता है। यह पहली बार 23 अप्रैल 1995 में मनाया गया था। यूनेस्को ने विलियम शेक्सपीयर और मिगुएल सर्वेंटिस जैसे साहित्यकारों को रिस्पेक्ट देने के लिए 23 अप्रैल की तारीख को चुना था लेकिन वास्तव में इस दिन को पहली बार 1922 में स्पेनिश राइटर विसेंट क्लेव एंड्रेस ने मिगुएल सर्वेंटिस को याद करने और उन्हें सम्मान देने के मकसद से इस्तेमाल किया था। 23 अप्रैल 1995 में पेरिस में आयोजित यूनेस्को के जनरल कॉन्फ्रेंस के लिए एक नेचुरल च्वाइस थी। इस दिन पुस्तकों और लेखकों को विश्वव्यापी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए

और सभी को पुस्तकों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रण लिया जाता है।

विश्व पुस्तक का महत्व- आम सभा में यूनेस्को के द्वारा विश्व पुस्तक दिवस उत्सव की तारीख को निश्चित किया गया जो 1995 में पेरिस में रखा गया था। लगभग 100 देशों से अधिक इच्छुक लोग ऐच्छिक संगठनों, विश्वविद्यालयों स्कूलों, सरकारी या पेशेवर समूहों, निजी व्यापार आदि से जुड़ें। विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस उत्सव विश्व भर के सभी महाद्वीपों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से लोगों को आकर्षित करता है। ये लोगों को नये विचार को खोजने और अपने ज्ञान को फैलाने में सक्षम बनाता है। किताबें विरासत का ख़ज़ाना, संस्कृति, ज्ञान की खिड़की, संवाद के लिये यंत्र, संपन्नता का स्रोत आदि हैं।

वैसे तो डेली कॉलेज की लाइब्रेरी काफी समृद्ध है पर हजारों किताबों के बीच 120 पुस्तकें ऐसी हैं जो दुर्लभ और बेशकीमती हैं। हिस्ट्री ऑफ हिन्दुस्तान के 3 भाग, बर्ड्स ऑफ एशिया के 7 भाग, द किंग एंड क्वीन इन इंडिया 1911 टू 1912 जिसमें राजा और रानियों के चित्र व जानकारी वाली किताब यहाँ है। इसके अलावा लंदन से 1880 में प्रकाशित पुस्तक इंग्लिश स्कूल ऑफ पेंटिंग इन वॉटर कलर, केव टेंपल्स ऑफ इंडिया जैसी किताबें भी यहाँ हैं।

डेली कॉलेज की ग्रंथपाल सायरा बानो कुरैशी बताती हैं कि किताबों का क्रेज कभी कम नहीं हो सकता। जिन्हें पुस्तकों में दिलचस्पी है वे किताब पढ़े बिना संतुष्ट नहीं होते भले ही किताब में लिखी बात अन्य मीडिया के माध्यम से वे जान चुके हों।

नेहरू पार्क में 1968 से संचालित होते आ रहे महात्मा गांधी पुस्तकालय का नाम पहले सेंट्रल लाइब्रेरी गांधी हॉल था। वर्तमान में इस पुस्तकालय में 28 हजार 545 पुस्तकें हैं। सुबह 8 से शाम 7 बजे तक खुले रहने वाले इस पुस्तकालय के 6 हजार 592 सदस्य हैं। वैसे तो यहां हर आयुवर्ग की पसंद और आवश्यकतानुसार किताबें हैं पर यहां की सबसे पुरानी किताबें हैं- जगतनारायण द्वारा लिखित रामजी-भरतजी, प्राणनाथ वानप्रस्थी की वीर हनुमान, आनंद द्वारा लिखी गई बापू की सीखें और ज्ञानदेव शास्त्री द्वारा लिखित मुद्रा राक्षस।

भुट्टो की भारत यात्रा से संबंध सुधरेंगे या तनाव और बढ़ेगा?

नीरज कुमार दुबे

भारत-पाकिस्तान के संबंधों में तनाव के बीच एक ऐसी खबर आई है जिससे तमाम लोगों को लगने लगा है कि शायद तनाव अब कुछ कम हो सकेगा। दरअसल, पाकिस्तान ने घोषणा की है कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेंगे। पहले माना जा रहा था कि एससीओ बैठक से पाकिस्तान दूर रह सकता है या ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़ सकता है लेकिन अब पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में ऐलान कर दिया हे कि बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही हफ्तों से चली आ रही इन अटकलों पर विराम लग गया कि बिलावल भुट्टो व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में हिस्सा लेंगे या नहीं। मुमताज जेहरा बलूच ने बिलावल के भारत दौरे की पुष्टि के साथ ही यह भी कहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के निमंत्रण पर सम्मेलन में शामिल होंगे। बलूच ने कहा, बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है।

हम आपको बता दें कि यह हाल के वर्षों में किसी भी पाकिस्तानी नेता का भारत का पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा। दरअसल, फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-

मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इसके अलावा, अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में और कड़वाहट पैदा हो गई। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध रखना चाहता है। हालांकि दूसरी ओर वह इस बात पर जोर देता है कि ऐसे संबंध कायम करने के लिए आतंकवाद और तनावमुक्त माहौल बनाना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने 2011 में भारत का दौरा किया था। इसके अलावा, मई 2014 में, पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत आए थे। इसके बाद, दिसंबर 2015 में, तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी अफगानिस्तान से लौटते समय थोड़ी देर के लिए पाकिस्तान में रुके थे।

जहां तक एससीओ की बात है तो आपको बता दें कि इसकी स्थापना 2001 में शंघाई में हुए रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों के शिखर सम्मेलन में की गई थी। बाद के वर्षों में यह सबसे बड़े क्षेत्रीय संगठनों में से एक बनकर उभरा। भारत और पाकिस्तान 2017 में चीन में स्थित एससीओ के स्थायी सदस्य बने थे।

इस बीच, माना जा रहा है कि बिलावल की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट के कम होने की उम्मीद है। लेकिन हालात देखकर ऐसा लगता नहीं है क्योंकि मूल प्रश्न अब भी वही है कि वार्ता और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। इसके अलावा, एससीओ बैठक के दौरान एक तो दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात नहीं होगी। दूसरा, बिलावल पाकिस्तान की घरेलू राजनीति में अपना कद बढ़ाने के चक्कर में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे पर बेवजह की बयानबाजी करते रहते हैं। कई बार तो हाथ के हाथ भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से उन्हें तगड़ा जवाब भी मिला है। इसके अलावा जिस दिन बिलावल भुट्टो के भारत आने की घोषणा की जा रही थी उसी दिन जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय सेना के काफिले पर आतंकी हमला हो गया जिसमें हमारे पांच जवान शहीद हो गये। माना जा रहा है कि बिलावल भारत यात्रा के दौरान कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे उनकी छवि भारत समर्थक की बने क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जब भारत की विदेश नीति की तारीफ करते हैं तो बिलावल उन पर हमला बोलते हैं। इसके अलावा, बिलावल आजकल अपने ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार को भी हिलाने में लगे हुए हैं। उनकी नजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद पर है इसलिए भारत यात्रा के दौरान उनका ध्यान सिर्फ एससीओ से संबंधित मुद्दों पर ही रहने के आसार हैं।

इसके अलावा, बिलावल की यह यात्रा पाकिस्तान के पहले के विदेश मंत्रियों की यात्रा से अलग होने जा रही है क्योंकि पहले जब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री या अन्य नेता भारत यात्रा पर आते थे तो कश्मीर के अलगाववादियों को डिनर पर बुलाते थे लेकिन अब ऐसे किसी आयोजन की संभावना नहीं है। इसके अलावा अलगाववादियों के मन में भी इतना डर बैठ गया है कि वह खुद ही पाकिस्तानी चाय नाश्ते से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझेंगे।

जहां तक एससीओ बैठक में बिलावल भुट्टो के शामिल होने की खबर पर भारत की प्रतिक्रिया की बात है तो आपको बता दें कि हमारे विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए सभी सदस्य देशों को न्यौता भेजा गया है इसलिए किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पाकिस्तान का नाम लिये बिना कहा, %%हम इस बैठक के काफी सफल होने की अपेक्षा करते हैं। लेकिन किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा।'' एससीओ बैठक से इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर की द्विपक्षीय बैठकों के बारे में एक सवाल के जवाब में भी प्रवक्ता ने कहा है कि इस बारे में कुछ कहना अभी समय से पूर्व की बात होगी। बहरहाल, देखना होगा कि बिलावल की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में कोई सुधार आता है या तनाव और बढ़ जाता है।

गांधी आज

पश्चिमी अर्थशास्त्र

पश्चिम का अर्थशास्त्र गलत दृष्टिबिन्दुओं से रचा गया है इसलिए वह अर्थशास्त्र नहीं बल्कि अनर्थशास्त्र हो गया है। वे गलत दृष्टिबिन्दु ये हैं- उसने भोगविलास की विविधता और बहुलता को संस्कृति का प्राण माना है। वह दावा तो करता है ऐसे अचल सिद्धांत निकालने का जो सब देशों और सब कालों पर घटित होते हों, परंतु वास्तव में वह यूरोप के छोटे ठंडे और खेती के लिए कम अनुकूलतावाले देशों के घनी आबादीवाले होते हुए भी मुट्ठीभर लोगों की अथवा बहुत थोड़ी आबादी वाले उपजाऊ की परिस्थिति के अनुभव के आधार पर ही बना है। पुस्तकों में भले ही निषेध किया गया हो, पर योजना और व्यवहार में वह व्यक्ति, वर्ग या बहुत आगे बढ़े तो अपने नन्हे-से देश के ही अर्थ-लाभ को प्रधानता देनेवाली और उसके हित की पुष्टि करनेवाली नीति ही अर्थशास्त्र का अचल शास्त्रीय सिद्धांत है, यह मानने और मनवाने की तथा कीमती धातुओं को हद से ज्यादा महत्त्व देने की पुरानी लीक में से आज भी नहीं निकल पाया है। उसकी विचार-सरणि में अर्थ का नीति-धर्म से कोई संबंध नहीं रह गया है, इस कारण जीवन के अर्थ की अपेक्षा अधिक महत्त्व के विषयों को गौण समझने की आदत उसने जनता में डाली है। 3. इसके फलस्वरूप- यह अर्थशास्त्र यंत्रों, नगरों तथा (खेती की अपेक्षा) उद्योगों का आपूजक बन गया है। इसने जनता के भिन्न-भिन्न वर्गों और भिन्न-भिन्न देशों में समन्वय स्थापित करने के बजाय विरोध उत्पन्न किया है और सर्वोदय, सबके हित के बदले थोड़े से लोगों का थोड़े समय के लिए ही लाभ किया है। यह पिछड़े समझे जानेवाले देशों में आर्थिक लूट मचाकर तथा वहाँ के लोगों को व्यसन में फँसाकर और उनका नैतिक अध:पतन करके समृद्धि का रास्ता निकालना चाहता है। (ई) इस अर्थशास्त्र को स्वीकार करनेवाली जनता पशुबल के भरोसे ही जीती है। शास्त्रीय सिद्धांतों के नाम पर इसके पोसे हुए वहम तथाकथित धार्मिक या भूत-प्रेतादि के अंधविश्वासों से कम बलवान नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

छोटे बेटियां केंद्र के संचालक, ऑपरेटर व बारदाना प्रभारी के विरूद्ध

कांकेर। जिले के कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने धान खरीदी में गड़बड़ी करने वाले छोटे बेटियां धान खरीदी केंद्र के संचालक, ऑपरेटर तथा बारदाना प्रभारी के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करने के लिए कांकेर जिले के पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आदेश जारी किया है, आदेश में जिला कलेक्टर ने आदिम जाति सहकारी समिति बांदे के छोटे बेटियां धान खरीदी केंद्र में 1724.60 चिंटल धान समर्थन मूल्य दर 3518104.01 की हेराफेरी किया गया है एवं साथ ही बारदाना की राशि 204106 रुपए कुल सैंतीस लाख बाइस हजार दो सौ नब्बे रुपए की शासकीय क्षति पहुंचाई गई हैं। कलेक्टर के आदेश के तीन दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक उक्त मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हो पाया है, जब कि जिला कलेक्टर के आदेश में छोटे बेटियां धान खरीदी केंद्र द्वारा खरीदी की गई धान का ऑडिट कर रिपोर्ट सहित समिति प्रबंधक खरीदी केंद्र के संचालक ऑपरेटर तथा बारदाना प्रभारी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराकर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की बात कही गई हैं।

विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत हुई बैठक, कर्मचारी डाटाबेस 30 तक करेंगे पूर्ण

खैरागढ़। विधानसभा चुनाव 2023 को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर के निर्देशानुसार मतदान दलों के गठन के लिए कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार करने हेतु बैठक लिया गया। कर्मचारी डाटा प्रविष्टी सॉफ्टवेयर (पीपीईएस) के संबंध में आयोजित प्रशिक्षण में संस्थान द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी, सहायक प्रोग्रामर, डाटा एंट्री आपरेटर एवं लिपिक शामिल हुए। केसीजी कलेक्टर डॉ. जगदीश सोनकर ने निर्देश देते हुए कहा है कि सभी अधिकारी-कर्मचारी निर्वाचन कार्य को गंभीरतापूर्वक करेंगे और सभी कर्मचारियों का डाटाबेस 30 अप्रैल तक पूर्ण करेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक विभाग द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों का डाटा एंट्री अपने ही कार्यालय में किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण देने का उद्देश्य नोडल अधिकारी द्वारा यह सुनिश्चित कराना है कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का शत-प्रतिशत डाटा एंट्री हो, चाहे वह संविदा, प्लेसमेंट, डेलीवेजेस क्यों न हो। सभी विभाग के नोडल अधिकारी को सॉफ्टवेयर यूजर मैनुअल, यूजर आई.डी. एवं पासवर्ड सूचना विज्ञान अधिकारी एन.आई.सी. राजनांदगांव द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की डाटा एंट्री करनी होगी। मूल कार्यालय से अलग अन्य कार्यालय में संलग्न कर्मचारियों की एंट्री उस कार्यालय से करनी है, जहां से उनका वेतन निकाला जाता है। किसी भी परिस्थिति में कर्मचारी डाटाबेस में किसी भी कर्मचारी की एंट्री एक से अधिक बार नहीं होनी चाहिए।

शहर के म्यूनिसपल स्कूल खेल मैदान का होगा अब कायाकल्प

राजनांदगांव। शहर के म्यूनिसपल स्कूल खेल मैदान का अब कायाकल्प होगा। अब वहां लॉन घास की हरीतिमा से शोभा बढ़ेगी और स्कूल के बच्चों को खेलने एवं अन्य गतिविधियों के लिए उम्दा स्थान मिलेगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष प्रबंध कारिणी समिति श्री डोमन सिंह ने जिला खनिज संस्थान न्यास डीएमएफ से म्यूनिसपल स्कूल खेल मैदान में लॉन घास कार्य के लिए 31 लाख 96 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। कलेक्टर श्री सिंह की पहल पर म्यूनिसपल स्कूल खेल मैदान में लॉन घास लगाया जा रहा है, ताकि यहां बच्चों को पढ़ाई के साथ ही एक अच्छा माहौल मिले। बच्चों को धूल भरे वातावरण से मुक्ति मिलेगी। कलेक्टर ने इस कार्य के लिए उद्यानिकी विभाग को कार्य एजेंसी बनाया है। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को यह कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन की सजगता से नही हो पाया बाल-विवाह

जांजगीर चांपा। जिला प्रशासन की सजगता

के चलते जिले में अक्षय तृतीया पर नाबालिग विवाह बंधन से बच गये।सूचना मिलने पर टीम वहां पहुंची और दोनों पक्षों को समझाइश देकर विवाह को रूकवाया। यह वाक्या जिले के अकलतरा क्षेत्र के परसाहीबाना गांव का है जहां नाबालिग लड़की की शादी होने की सूचना के बाद प्रशासन की टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और परिजन को समझाइश दी। अक्षय तृतीया पर होने वाले बाल-विवाह की रोकथाम के लिये महिला व बाल विकास विभाग, जिला बाल कल्याण अधिकारी टीम,पुलिस टीम पूरी तरह से चौकस व सावधान थी और अपने जासूसों के जरिये बाल-विवाह पर बारीकी से नजर रखे हुए थी। इसी दौरान परसाही बाना गांव में बाल विवाह होने की सूचना मिली। प्रशासन की यह संयुक्त टीम वहां पहुंची। टीम ने लड़की के बारे में परिजन से पूछताछ की तो उसकी उम्र 16 वर्ष 2 माह निकली। इसके बाद, परिजन को बाल विवाह कानून और उसके दुष्परिणाम के बारे में बताया गया। इसके बाद नाबालिग लड़की की शादी रोक दी गई। इससे पहले भी प्रशासन ने जिले के बम्हनीडीह ब्लॉक के पुछेली गांव पामगढ़ ब्लॉक के मेउं गांव और जांजगीर क्षेत्र के पेंड्री गांव में प्रशासन ने नाबालिग की शादी रुकवाई थी।

आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ मिट्टी, पानी तथा पर्यावरण सौंपने का संकल्प लें-भूपेश

बीज संस्कार, माटी पूजन किया तथा खेतों में ट्रेक्टर चलाकर बीजों की बुआई की

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि धरती मांता हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी तत्व प्रदान करती है। धरती से हम जितना प्राप्त करते हैं उतना ही हमें धरती को वापस भी लौटाने का प्रयास करना चाहिए। हम जिस प्रकार अपने स्वास्थ्य की चिन्ता करते हैं उतनी ही चिन्ता मिट्टी, पानी एवं पर्यावरण की भी करना चाहिए तभी हम आने वाली पीढ़ी को सेहतमंद मिट्टी, पानी और पर्यावरण सौंप सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री बघेल आज यहां अक्षय तृतीया के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय अक्ती तिहार एवं माटी पूजन दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित वृहद कृषक सम्मेलन में उपस्थित व्यक्तियों को मिट्टी, पानी तथा पर्यावरण की रक्षा का संकल्प भी दिलाया। समारोह की अध्यक्षता कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने की। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इसके पूर्व कृषि विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में माटी पूजन, ठाकुर देव की पूजा की और बीज बुवाई संस्कार के तहत लौकी, सेम तथा तोरई के बीज बोये। मुख्यमंत्री ने अच्छी फसल के लिए धरती माता से प्रार्थना करते हुए कोठी से धान के बीज लाकर पूजा

की और गौ माता को चारा भी खिलाया। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने धरती माता से राज्यवासियों के धन-धान्य से भरे रहने की कामना की। अक्ति तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में कृषक सभागार भवन, नवनिर्मित क्लस्टर क्लासरूम भवन, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कैम्प कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों के उन्नत प्रमाणीकृत बीजों की इंदिरा बीज के नाम से लॉन्चिंग भी की। इंदिरा बीज ब्रान्ड नेम से किसानो को उपलब्ध होने वाले इन बीजों में भौतिक शुद्धता, आनुवांशिक शुद्धता एवं अंकुरण प्रतिशत का संपूर्ण ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इंदिरा बीज ब्रांड कृषकों के लिए लाभकारी होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक एवं अन्य प्रकाशनों का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के डिजिटल पोर्टल का शुभारंभ किया गया। किसानों को बीज, पौध सामग्री, कृषि यंत्र तथा अन्य आदान सामग्री वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने यहां 21 किसानों को कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दिये जाने वाले ट्रैक्टरों की चाबी प्रदान की गई। इस अवसर पर बेमेतरा जिले के महिला समूहों द्वारा मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री को अलसी से बने जैकेट भेंट किये गये।

कृषक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमें कृषि में रासायनिक खाद का उपयोग कम कर जैविक खेती की तरफ बढ़ना चाहिए। अक्ति और माटी पूजन त्यौहार धरती के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का त्यौहार है। हमें यह सोचना चाहिए कि प्रकृति से हम जितना ले रहें हैं उसके बदले में धरती को क्या वापस कर रहे हैं। अक्ति त्यौहार के अवसर पर खेती-किसानी का कार्य शुरू करने के लिए धरती माता से प्रार्थना कर हम उनसे अनुमति लेते हैं तब कुदाल चलाते हैं। धरती माता को जो क्षति होती है उसके लिए हम क्षमा मांगते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कृषि अभियांत्रिकी के पृथक संचालनालय बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने अक्ति तिहार और भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम ने ही अक्षयपात्र का निर्माण किया था। ऐसा माना जाता है कि भगवान परशुराम ने कृषि के क्षेत्र में भी कई शोध किए। उनका फरसा युद्ध के साथ खेती-किसानी में भी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है यहां कि 70 से 80 प्रतिशत लोग आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित होने के कारण राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए कई नई योजनाएं संचालित कर उन्हें समृद्ध करने का कार्य किया है। इससे इन चार सालों में कृषि उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किसान 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान बेच सकेंगे, इससे किसानों को बहुत लाभ होगा। सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण राज्य में धान का उत्पादन 107 लाख मीट्रिक टन हो चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कोदो और कुटकी का समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है और उसकी खरीदी की व्यवस्था भी की है। कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि अक्षय तृतीया जिसे छत्तीसगढ़ में अक्ती के नाम से भी जाना जाता है। आज के दिन हम धरती की पूजा करते हैं। आज के दिन खेतों में बीज डालने का मुहूर्त होता है।

राशन दुकानों में कम चावल मिलने की जांच रिपोर्ट में ट्रांसपोर्टर को ठहराया जिम्मेदार

जगदलपुर। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के बाघनपाल और बेलर में संचालित राशन दुकानों में सप्लाई हुए चावल के बोरे में तय मात्रा से कम मात्रा में चांवल के पाए जाने की जांच पूरी हो गई है। करीब एक महीने तक चली इस जांच के बाद खाद्य विभाग के अधिकारियों ने इस गड़बड़ी को लेकर परिवहनकर्ता शेख अख्तर को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

आरोपी परिवहनकर्ता जगदलपुर ब्लॉक के शहरी क्षेत्र 40 और लोहंडीगुड़ा के करीब 45 सरकारी राशन दुकानों में राशन पहुंचा रहा था। लगातार शिकायत के बाद भी जांच सही मायने में नहीं हो पाई। मार्च 2023 में कलेक्टर चंदन कुमार अचानक लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के बेलर और बाघनपाल में संचालित राशन दुकानों में भेजे गए चावल का वजन कराए तो उसमें चांवल कम मिला। गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने करीब 10 बोरे की जांच कराई। इस दौरान हर बोरे में चावल कम पाया गया है। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया और इसकी जांच करने के निर्देश जारी किए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कलेक्टर के निर्देश के बाद खाद्य विभाग के अधिकारियों ने लगातार चांवल के बोरे में तय मात्रा से कम मात्रा में चांवल के मिलने की जांच की गई। जांच के तहत इसके लिए कभी जगदलपुर वेयर हाउस के गोदाम में की गई तो कभी धर्म कांटे की जांच में कहीं गड़बड़ी नहीं मिली। इसके बाद परिवहन में संदेह को लेकर इसकी पड़ताल की गई तो पाया कि परिवहन कर्ता के माध्यम से वेयर हाउस और राशन दुकान के बीच गड़बड़ी की जा रही है। जिसके चलते सरकारी राशन दुकानों में भेजे जा रहे चावल में तय मात्रा से कम मात्रा में चांवल जा रहा है।

खाद्य नियंत्रक घनश्याम सिंह राठौर ने बताया कि जांच में परिवहन कर्ता के माध्यम से वेयर हाउस और राशन दुकान के बीच गड़बड़ी की पुष्टि होने के बाद विभाग के अधिकारियों ने मामले में कार्रवाई को लेकर नागरिक आपूर्ति निगम के एमडी को पत्र लिखा है।

केबल लाइन बिछाने का ठेका देने के नाम पर की ठगी

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कांकेर। गांव गांव को इंटरनेट से जोड़ने के लिए भारत नेट योजना चल रही है जिसमें केबल लाइन खुदाई व बिछाई का काम चल रहा है। इसी काम के लिए शहर के एक ठेकेदार को केबल लाइन बिछाने का ठेका देने के नाम पर एक कंपनी के डायरेक्टर ने 15 लाख की ठगी कर ली। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत अलबेलापारा निवासी प्रहलाद नायक ने थाना में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराते हुए बताया था कि वह फारेस्ट विभाग से रिटायर्ड कर्मचारी है। उसे नवम्बर 2020 में पता चला कि रायपुर में एक सीडीपीएल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक कंपनी है, जिसका कार्यालय लालपुर में है। जो भारत नेट के अंतर्गत केबल लाइन खुदाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कर रही है। उक्त काम में ठेका लेने के

लिए वह अपने दामाद के साथ रायपुर कार्यालय पहुंचे। जहां पर उसकी मुलाकात सीडीपीएल कंपनी के डायरेक्टर देवनारायण सिन्हा उम्र 35 वर्ष पिता चतुर सिन्हा निवासी उमरकोटी गोबरा नवापारा जिला रायपुर से हुी। बातचीत के बाद कंपनी के डायरेक्टर ने बताया कि भारत नेट के अंतर्गत केबल लाइन खुदाई व बिछाई का काम नारायण पुर में चल रहा है। वह काम आपको दिया जाएगा। वर्क आर्डर प्राप्त करने के लिए सबसे पहले आपको एक कंपनी खोलनी होगी और 15 लाख रूपए सिक्योरिटी डिपॉजिट सीडीपीएल कंपनी में जमा करना होगा।

उन्होंने नायक इंटरप्राइजेज नारायणपुर के नाम की कंपनी बनाई और 27 नवम्बर 2020 को अपने बैंक खाता से 5 लाख 23 रूपए 60 पैसे दो बार कंपनी को कुल 10 लाख 47 रूपए 20 पैसे का आरटीजीएस के माध्यम से जमा करा दिया। उसी दिन 100 रूपए के स्टाम्प पर सीडीपीएल कंपनी और नायक इंटरप्राईजेस कंपनी के नाम पर अनुबंध तैयार किया गया। जिसकी मूल कॉपी स्वयं रख कर छायाप्रति उसे दे दी गई। इसके बाद 16 जनवरी को फिर से 5 लाख 23 रूपए 60 पैसे का सीडीपीएल कंपनी में जमा कर कंपनी के डायरेक्टर को इसकी जानकारी दिया। डायरेक्टर ने कहा कि एक माह के भीतर केबल बिछाने का वर्क ऑर्डर मिल जाएगा। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और उन्होंने रुपये भी लौटाने इनकार कर दिए।

संभाग स्तरीय आवासीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 24 से

रायपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा नागरिकों को योग से परिचित कराने तथा योग के लाभ को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 24 से 30 अप्रैल तक सात दिवसीय संभाग स्तरीय आवासीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम चरण में रायपुर संभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 24 से 30 अप्रैल 2023 तक योग भवन वर्किंग वूमेन हॉस्टल, बी.आई.पी रोड रायपुर में किया जा रहा है। शिविर में लगभग 200 महिला एवं पुरूष प्रतिभागी सम्मिलित होगें।

सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन 24 अप्रैल को योग के परिचय एवं महत्व पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही अष्टांग योग और योग दर्शन पर योग विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे। 25 अप्रैल को अष्टांग योग (नियम), वैश्विक परिदृष्य में योग, षठकर्म का सैद्धांतिक विवेचन, प्रज्ञायोग के साथ शारीरिक और मानसिक भावनात्मक ऊर्जा परिवर्तन के बारे में बताया जाएगा। 26 अप्रैल को हास्य योग, अष्टांग योग (आसन), प्राकृतिक चिकित्सा, किशोरी बालिकाओं के लिए योग पर व्याख्यान होगा।

प्रशिक्षण शिविर में 27 अप्रैल को प्रशिक्षणार्थियों को अष्टांग योग (प्राणायाम), अध्यात्मिक सशक्तीकरण, आपातकाल में एक्यूप्रेशर द्वारा विभिन्न लोगों का इलाज, सूर्य नमस्कार एवं महत्व, योग एवं मूल्य शिक्षा के बारे में बताया जाएगा। 28 अप्रैल को विषय-विशेषज्ञ अष्टांग योग (प्रत्याहार, धारणा), योग एवं तनाव प्रबंधन, मद्यपान एवं नशीले पदार्थों से बचाव के साथ योग एवं मूल्य शिक्षा के बारे में बताएंगे। 29 अप्रैल को प्रशिक्षणार्थियों को अष्टांग योग (ध्यान, समाधि), प्रसव के दौरान योग की भूमिका, अष्टांग योग में जीवन जीने की कला, ईसा योग के बारे में बताया जाएगा।

रेणु और अमित जोगी ने किया राज्यपाल से मुलाकात

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी की सुप्रीमो और छत्तीसगढ़ विधानसभा की सबसे वरिष्ठ महिला सदस्य डॉ. रेणु जोगी और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से सिविल लाइंस स्थित राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के ताजा राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई। हरिचंदन इसके पूर्व आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रह चुके हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उइके के स्थान पर उनकी नियुक्ति हुई है। छत्तीसगढ़ में पदभार लेने के बाद राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के साथ जोगी पार्टी के शीर्ष नेता और पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रेणु जोगी और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी की पहली मुलाकात हुई है। दोनों ने गुलदस्ता देकर राज्यपाल को शुभकानाएं दी।

आकाशीय बिजली गिरने से दो भाईयों सहित तीन की मौत, दो की हालत गंभीर

■ विधायक कमरो ने जताया शोक

मनेंद्रगढ़। शनिवार की दोपहर को आकाशीय बिजली गिरने से दो भाईयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घर के लिए मिट्टी लेकर लौट रहे थे कि अचानक आंधी-तूफान शुरु हो गया और बचाव के लिए वे हुआ पेड़ के नीचे ठहर गए और उनके ऊपर आकाशीय बिजली गिर पड़ी। इसी तरह ग्राम रामगढ़ में हुई जहां घर बना रहे पिता की मौत हो गई वहीं मृतक के पुत्र और भांजा अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने इस दुखद घटना पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के मुताबिक शनिवार दोपहर मनेंद्रगढ़, धमतरी के नगरी और रायगढ़ के कुछ इलाकों में तेज अंधड़ के साथ बारिश हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नागपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनवर्षा के कछार पारा में दो भाई आशीष टोप्पो पिता स्व. जयपाल (18 वर्ष) एवं उसका चचेरा भाई सियोन टोप्पो पिता तेज नारायण (20 वर्ष) घर के लिए मिट्टी लेकर लौट रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी-तूफान चलने की वजह से दोनों भाई महुआ पेड़ के नीचे ठहर गए। इस बीच तीव्र गर्जना के साथ अकाशीय बिजली पेड़ के समीप गिरने से दोनों भाई उसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजन फूट-फूटकर रोने लगे। इस बीच नागपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों शवों का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ज्ञात हो कि आकाशीय बिजली की चपेट में आए युवक आशीष के पिता की भी कुछ वर्षों पूर्व करंट की चपेट में आने से मौत हो चुकी है। दूसरी घटना जनकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामगढ़ में हुई जहां दोपहर करीब 12 बजे ग्राम रामगढ़ निवासी 55 वर्षीय शिवचरण पिता मंगल सिंह गोंड़ अपने 22 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार एवं 23 वर्षीय भांजा संतोष कुमार के साथ घर बनाने के कार्य में जुटा हुआ था, तभी तेज आंधी-तूफान और तीव्र गर्जना के साथ आकाशीय बिजली वहां गिरी जिसकी चपेट में आकर शिवचरण की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं मृतक के पुत्र अजीत व भांजा संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में भर्ती कराया गया है।

महिलाएं समाज में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहीं - दिव्या कलिहारी

गातापार में मुख्यमंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियो का आगमन

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन द्वारा आयोजित सामूहिक आदर्श विवाह एवं तहसील स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव, भामाशाह जयंती का आयोजन 21 एवं 22 अप्रैल को ग्राम गातापार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 21 अप्रैल की दोपहर 2 बजे 1007 महिलाओं ने कलश यात्रा से शुरू हुई। कलश यात्रा की अगुवाई तहसील उपाध्यक्ष सरिता साहू, कमलेश्वरी साहू, जयंती साहू ने किया। कलश यात्रा के मुख्य अतिथि जिला साहू संघ दुर्ग उपाध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष दिव्या कलिहारी, अध्यक्षता चन्द्रिका साहू थी। विशेष अतिथि जनपद सदस्य झरना साहू, कविता साह, उपाध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग मंजू साहू थी।

भक्ति से पूरे साहू समाज को संकट से उबारा महिलाएं समाज में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। उन्होंने कहा कि देश नहीं, प्रदेश में भी महिलाएं अलग-अलग क्षेत्र में अपनी पहचान बना दानवीर भामाशाह के जीवन परिचय से अनुकरण करने से समाज उत्तरोत्तर प्रगति भी किया गया है।

स्वास्थ शिविर का होगा आयोजन

साहू समाज के सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन किया गया है। स्वास्थ्य मुख्य अतिथि विधायक दिव्या कलिहारी रही है। जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू ने कार्यक्रम में दोनों दिवस स्वास्थ्य शिविर किशोर साहू, देवनारायण साहू, डॉ. हरीशंकर साहू, रविशंकर साहू, डुलेश्वर ने कहा कि भगवान ने सबसे ज्यादा सहनशील महिलाओं को बनाया है। माता अवगत कराते हुए कहा कि कलयुग में शिविर स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा देवेन्द्र साहू, लालजी साहू, देव साहू, अरुण साहू, संजू साहू, सुनीता कर्मा का पूरा जीवन त्याग और तपस्या का सबसे बड़े दानवीर भामाशाह है। उनका प्रकोष्ठ द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन साहू, विमल साहू, डॉ. डोमन साहू, साहू, गोपेश्वर साहू सहित अन्य रहा है। माता कर्मा ने अपने साहस का परिचय दिया।

1007 दीपक से होगी महाआरती आज

22 अप्रैल की सुबह 10 बजे 1007 दीपक के साथ कृष्ण-कम को महाआरती की जायेगी। दोपहर 12 बजे कर्मा महोत्सव के मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विलासपुर सांसद अरुण साव होंगे। प्रमुख अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता नंदलाल साहू करेंगे। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री रमशिला साहू, पूर्व हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष दीपक ताराचंद साहू होंगे। विशेष अतिथि खिलावन साहू, कृष्णा साहू, प्रेमलाल साहू, पोषण साहू, पुसठ साहू, श्यामलाल साहू, चंद्रभूषण साहू, दिनेश साहू, रूपचंद साहू होंगे। सुबह 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम रंग झरोखा, 2 बजे वारात स्वागत होगा। सामूहिक विवाह एवं आशीर्वाद समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री रमशिला साहू, पूर्व विधायक डॉ. दयाराम साहू, पूर्व विधायक जागेश्वर साहू, मंडी बोर्ड अध्यक्ष अश्वनी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, सरपंच होरीलाल साहू, उपसरपंच राजेश्वर गंजीर होंगे।गायत्री साहू, गजेंद्र साहू, भूमिका गंजीर, कोमीन साहू, त्रिवेणी साहू, चांदनी साहू, हेमलता साहू, उषा साहू, एमन आठे, जीवधन साहू, कमलेश साहू, नारद साहू, छगन साहू, नूतन साहू, लोकेश साहू, साहू, कल्याण साहू, पारखत साहू, बोधन मौके पर तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू, लालेश्वर साहू, महासचिव खेमलाल साहू, गंगादीन साहू, धनराज साहू, दिलीप साहू, महेंद्र साह, किशन हिरवानी, डॉ. सुरेश साहू, यशवंत साव, गुलाब साहू, टेस राम साहू, विमला साहू, गोपेश साहू, टीका साहू, मोहन साहू, उपस्थित थे।

आम आदमी का संवैधानिक अधिकार कब तक राजभवन में लंबित रहेगा-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आम आदमी का संवैधानिक अधिकार कब तक राजभवन में लंबित रहेगा। आरक्षण मसले पर यह बतायें कि राज्य की विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किये गये आरक्षण संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर क्यों नहीं कर रहा है? छत्तीसगढ़ के सर्वसमाज के हितों को लेकर बनाया गया विधेयक राजभवन की हठधर्मिता से कब तक लंबित रहेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा और संघ के राष्ट्रीय नेता तथा राज्य के नेता एक राय होकर सर्व समाज के आरक्षण को राजभवन में रोकवा कर रखे हुये है। आरक्षण बढ़ाने संबंधी विधेयक जब कर्नाटक विधानसभा में पारित होता है तब वहां पर राज्यपाल हस्ताक्षर करते है जब वैसा ही आरक्षण विधेयक छत्तीसगढ़ विधानसभा और झारखंड विधानसभा में पारित किया जाता है तो राज्यपाल हस्ताक्षर नहीं करती है। कर्नाटक में भाजपा सरकार ने विधेयक बनाया श्रेय आपकी पार्टी (भाजपा) को मिलेगा तो वहां ठीक छत्तीसगढ़, झारखंड में कांग्रेस की सरकार है वहां विरोध कर रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि सरकार ने सभी संवैधानिक पहलुओं की पड़ताल करके उसका तथ्यात्मक निराकरण करके आरक्षण संशोधन विधेयक बनाया है। जिसे विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस पर राज्यपाल को अविलंब हस्ताक्षर करना चाहिये। अनावश्यक विलंब करने से हर वर्ग को नुकसान हो रहा सभी के हित में यह जरूरी है कि राजभवन विधेयक पर तत्काल निर्णय ले। कांग्रेस सरकार ने वर्तमान विधेयक को बनाने के ठोस आधारों का अध्ययन किया है। कांग्रेस ने सर्व समाज को आरक्षण देने अपना काम पूरी ईमानदारी से करके सभी वर्गो के लिये आरक्षण का प्रावधान किया है। अनुसूचित जन जाति, अनुसूचित जाति को उनकी जनगणना के आधार पर तथा पिछड़ा वर्ग को क्रांटी फायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण का प्रावधान किया। इस विधेयक में अनुसूचित जनजाति के लिये 32 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिये 13 प्रतिशत तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगो को भी 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। 72 प्रतिशत का आरक्षण सभी वर्गो की आबादी के अनुसार निर्णय लिया है। यह विधेयक यदि कानून का रूप लेगा तो हर वर्ग के लोग संतुष्ट होंगे। सभी वंचित वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने सामाजिक न्याय को लागू करने यह विधेयक बनाया गया है। इस विधेयक को विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया है इसको रोकना जनमत का अपमान है।

टिकट वितरण में भाजपा हाईकमान का सर्वे और आईबी रिपोर्ट होगा अहम

कहते हैं 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी चयन के वास्ते भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व छत्तीसगढ़ में सर्वे करवा रहा है, साथ ही आईबी से भी जमीनी हकीकत के बारे में फीड बैक ले रहा है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय संगठन राज्य चुनाव समिति से प्रत्याशी के लिए तीन-तीन नाम मांगेगा, लेकिन अंतिम फैसला भाजपा हाईकमान ही करेगा। भाजपा के टिकट वितरण में राज्य के नेताओं की नहीं चलने वाली है, हालांकि चुनाव अभियान समिति का मुखिया बनने के लिए राज्य के कई नेता कतार में हैं। माना जा रहा है कि केंद्रीय संगठन के सर्वे और आईबी की रिपोर्ट के आधार पर ही भाजपा 2023 के चुनाव के लिए उम्मीदवार तय करेगी। जानकारों का कहना है 2023 में छत्तीसगढ़ में भी गुजरात और कर्नाटक का फार्मूला चलेगा। कई दिग्गजों के टिकट काटे जाएंगे। सत्ता में वापसी के लिए भाजपा अपने कई दिग्गजों की टिकट तो काटेगी ही। विधानसभा चुनाव में जीत के लिए संभाग स्तर पर एक केंद्रीय मंत्री और एक राष्ट्रीय पदाधिकारी की तैनाती पर भी विचार चल रहा है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक चुनाव निपटने के बाद भाजपा के कई पदाधिकारी रायपुर में डेरा जमाने वाले हैं।

कौन होगा छत्तीसगढ़ के वन विभाग का मुखिया ?

माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ का नया पीसीसीएफ कौन होगा, यह अगले हफ्ते तय हो जाएगा। संभावना है कि रेरा के चैयरमेन के पद पर नियुक्ति के बाद संजय शुक्ला अगले हफ्ते ही पीसीसीएफ का पद छोड़ देंगे। नए पीसीसीएफ के बारे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और वन मंत्री मोहम्मद अकबर फैसला करेंगे। चर्चा है कि वरिष्ठता के चलते सुधीर अग्रवाल नए पीसीसीएफ बन सकते हैं और तपेश झा को पीसीसीएफ वन्य प्राणी बनाया जा सकता है। अभी सुधीर अग्रवाल पीसीसीएफ वन्य प्राणी का काम देख रहे हैं। कहा जा रहा है कि तपेश झा की रूचि पीसीसीएफ वन्य प्राणी बनने में है। अनिल राय राज्य लघु वनोपज संघ में हैं, खबर है कि उनको वहां का मुखिया बना दिया जाएगा। अभी राज्य लघु वनोपज संघ के मुखिया का प्रभार भी संजय शुक्ला के पास है। आशीष भट्ट जून में रिटायर होने वाले हैं, ऐसे में वे जहां हैं, वहां बने रह सकते हैं। संजय ओझा और कुछ वरिष्ठ वन अफसरों के प्रभार में हेरफेर की चर्चा है।

कही-सुनी

रवि भोई

मई में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल की चर्चा

चर्चा है कि इस हफ्ते व्यापक प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। सचिवों के साथ कई जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी इधर से उधर हो सकते हैं या बदले जा सकते हैं। कुछ एसपी-कलेक्टर अलग-अलग जिले संभालकर फील्ड में लंबा कार्यकाल बिता चुके हैं, उनको बदला जा सकता है। कहा जा रहा है कि सरकार ने नहीं बदला तो आचार संहिता लगने के बाद चुनाव आयोग बदल देगा। वित्त सचिव अलरमेलमंगई डी की छुट्टी से वापसी का इंतजार है। अलरमेलमंगई अभी दो महीने के अवकाश पर हैं। अभी वित्त सचिव की जिम्मेदारी अंकित आनंद संभाल रहे हैं। कई विभाग संभाल रहे कुछ अफसरों को हल्का किए जाने की भी खबर है। माना जा रहा है कि चुनावी साल में सरकार मई-जून में तबादलों पर रोक भी हटा सकती है।

भू-माफियाओं के हौसले बुलंद

लगता है छत्तीसगढ़ में भू-माफियाओं के हौसले बुलंद हो गए हैं। राजधानी में सरकार की नाक के नीचे भू-माफिया आम लोगों की जमीन पर खुलेआम कब्जा कर रहे हैं। लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, फिर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। प्रशासन कान में रुई डाल लिया है। पिछले दिनों राजधानी में एक भू-माफिया के खिलाफ आम लोगों ने, जिनमें कुछ महिलाएं भी थी, एक दिन का धरना भी दिया। कहते हैं यह भू-माफिया पहले सरकारी नौकरी करता था, फिर कारोबारी बना। अब भू-माफिया बन गया है। यह भू-माफिया सरकार से करीबी संबंध बताकर आम

लोगों के साथ पुलिस और प्रशासन के लोगों को धौंस भी देता है। कहा जा रहा चुनावी साल में सरकार नहीं चेती तो लेने के देने न पड़ जाएं। खबर है कि भू-माफिया ने रायपुर के मोवा, सड्डू और रायपुरा इलाके में लोगों की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया है और कब्जा छोड़ने के एवज में मोटी रकम मांग रहा है। पीड़ित लोगों ने न्याय के लिए अब मुख्यमंत्री के दरबार में गुहार लगाने का फैसला किया है। अब देखते हैं क्या होता है ?

शराब मामले में भाजपा नेताओं की चुप्पी चर्चा में

शराब मामले को लेकर झारखंड के भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी काफी मुखर है। कहते है छत्तीसगढ़ की शराब नीति को झारखंड में लागू कर वहां की सरकार उलझ गई है और उसके अफसरों को ईडी दफ्तर के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। शराब खरीदी-बिक्री को लेकर छत्तीसगढ़ के अफसर और कारोबारी भी ईडी की चपेट में आए हैं, लेकिन यहां के भाजपा नेता चुप्पी साधे हुए हैं। कहते हैं 2017 में भाजपा शासनकाल में तैयार शराब नीति को ही भूपेश सरकार ने बिना फेरबदल के यहां लागू कर रखी है, उसी नीति के तहत शराब की खरीदी-बिक्री कर अफसर लाल और कारोबारी मालामाल होकर ईडी के मकड़जाल में फंस गए हैं। भाजपा शासनकाल में नियुक्त एक अफसर को ही छत्तीसगढ़ और झारखंड में शराब कारोबार का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। चर्चा है कि इसके चलते छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को शराब खरीदी-बिक्री मामले में सांप सूंघ गया है। अब वे वक्त का इंतजार कर रहे हैं।

इस हफ्ते ईडी कर सकती है बड़ी कार्रवाई

कहा जा रहा है कि ईडी छत्तीसगढ़ में इस हफ्ते कोई बड़ी कार्रवाई कर सकती है। चर्चा है कि किसी राजनेता के खिलाफ एक्शन हो सकता है। वैसे ईडी के एक्शन के खिलाफ कुछ लोग हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंच रहे हैं , लेकिन उन्हें राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। ईडी ने शराब मामले में जिस तरह झारखंड के अफसरों को बुलाकर बयान लिया है, उससे साफ़ है कि छत्तीसगढ़ में भी आने वाले दिनों में शराब मामले की जांच तेज करेगी। वैसे कहा जा रहा है कि शराब मामले में ईडी छत्तीसगढ़ के कुछ टॉप अफसरों को बुलाकर पूछताछ कर चुकी है। कुछ का इंतजार कर रही है। ईडी के अगले कदम का लोगों को बेसब्री से इंतजार है।

कांग्रेसी कार्यकर्ता असमंजस में

कहते हैं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदलने की चर्चा के कारण कार्यकर्ता ऊहापोह की स्थिति में हैं। मोहन मरकाम को बदले जाने की खबरें लगातार चल रही है। विकल्प भी सामने आ रहे हैं , लेकिन ठोस फैसला न होने कार्यकर्ता लाइन तय नहीं कर पा रहे हैं। मोहन मरकाम भी संगठन पर फोकस करने की जगह क्षेत्र पर ध्यान देने लगे हैं। चर्चा है कि दिल्ली स्तर पर अनिर्णय की स्थिति के चलते असमंजस का माहौल बन रहा है। अब देखते हैं आगे क्या होता है।

नियमितीकरण नहीं कराने वालों पर नगर निगम सख्त

दुर्ग। नगर निगम अनाधिकृत विकास और अवैध निर्माण का नियमितीकरण के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रक्रिया को सरलीकृत करते हुए प्रदेश की जनता को सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिसके तहत् भूस्वामी को 120 वर्गमीटर भूखंड वाले क्षेत्रफल पर आवासीय निर्माण का नि:शुल्क नियमितीकरण कर मध्यम वर्ग के लोगों को राहत प्रदान किया जा रहा है। वहीं 120 वर्गमीटर से अधिक आवास एवं आवास सह-व्यवसाय के रूप में निर्मित भवन का भी सरलीकृत तरिके से शुल्क लगाकर नियमितीकरण किया जा रहा है। नगर निगम दुर्ग में अवैध निर्माण का नियमितीकरण नही कराने वालों पर सख्ती से कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। आवासीय क्षेत्रों में निर्मित दुकानों एवं बिना अनुमति के निर्माण पर नोटिस करने एवं तालाबंदी करने की कार्यवाही तेज हो गई है। अबतक कुल 10000 लोगों को नोटिस दिया जा चुका है तथा 15 से 20 दुकानों में तालाबंदी की जा चुकी है, नगर निगम द्वारा प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों में नियमितीकरण शिविर भी लगाया जा रहा है, जिससे प्रतिदिन नियमितीकरण हेतु प्राप्त होने वाले आवेदनों में वृद्धि हुई है।

ईडी ने झारखंड के उत्पाद सचिव और आबकारी आयुक्त से रायपुर में की पूछताछ

रायपुर। झारखंड के उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे शनिवार को रायपुर ईडी दफ्तर पहुंचे. रायपुर ईडी दफ्तर में अफसर से पूछताछ की जा रही है. उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के साथ झारखंड के ही आबकारी आयुक्त भी ईडी दफ्तर पहुंचे. ईडी के अफसर, उनसे भी पूछताछ कर रहे हैं. ईडी ने दोनों अफसरों को नोटिस दिया था, जिसके बाद ये अफसर अपना पक्ष रखने के लिए रायपुर पहुंचे हैं. झारखंड के उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे और आबकारी आयुक्त करण सत्यार्थी से रायपुर ईडी पूछताछ कर रही है. बताया जा रहा है कि, दोनों अफसर फ्लाइट से रायपुर पहुंचे, जिसके बाद करीब 11 बजे रायपुर ईडी दफ्तर पहुंचे. सुबह ग्यारह बजे से अधिकारियों से लगातार सवाल जवाब हो रहा है. छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्ड्रिंग, कोयला और शराब घोटाले को लेकर कार्रवाई जारी है. ईडी को आशंका है कि छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर शराब घोटाला हुआ है. चूंकि, छत्तीसगढ़ में काम कर रहे कॉरपोरेशन को ही झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू करने के लिए सलाहकार बनाया गया था. इसी मामले को लेकर ईडी ने झारखंड के दोनों अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया था. ईडी के अफसर पिछले 4 घंटे से इन अफसरों से पूछताछ कर रहे हैं. बता दें कि ईडी ने छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के रूख एपी त्रिपाठी के घर भी दबिश दी थी. त्रिपाठी के अलावा ईडी ने आबकारी से जुड़े कई ठेकेदारों के घर भी कार्रवाई की थी. उसी सिलसिले में इस तरह की पूछताछ जारी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

आम आदमी का संवैधानिक अधिकार कब तक राजभवन में लंबित रहेगा-कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आम आदमी का संवैधानिक अधिकार कब तक राजभवन में लंबित रहेगा। आरक्षण मसले पर यह बतायें कि राज्य की विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित किये गये आरक्षण संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर क्यों नहीं कर रहा है? छत्तीसगढ़ के सर्वसमाज के हितों को लेकर बनाया गया विधेयक राजभवन की हठधर्मिता से कब तक लंबित रहेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि भाजपा और संघ के राष्ट्रीय नेता तथा राज्य के नेता एक राय होकर सर्व समाज के आरक्षण को राजभवन में रोकवा कर रखे हुये है। आरक्षण बढ़ाने संबंधी विधेयक जब कर्नाटक विधानसभा में पारित होता है तब वहां पर राज्यपाल हस्ताक्षर करते है जब वैसा ही आरक्षण विधेयक छत्तीसगढ़ विधानसभा और झारखंड विधानसभा में पारित किया जाता है तो राज्यपाल हस्ताक्षर नहीं करती है। कर्नाटक में भाजपा सरकार ने विधेयक बनाया श्रेय आपकी पार्टी (भाजपा) को मिलेगा तो वहां ठीक छत्तीसगढ़, झारखंड में कांग्रेस की सरकार है वहां विरोध कर रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि सरकार ने सभी संवैधानिक पहलुओं की पड़ताल करके उसका तथ्यात्मक निराकरण करके आरक्षण संशोधन विधेयक बनाया है।

बढ़ते अपराध भूपेश सरकार की 5 साल की इकलौती उपलब्धि- संजय श्रीवास्तव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने राजधानी सहित पूरे राज्य में अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ने का हवाला देते हुए कहा है कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार में अंतिम वर्ष में सरकार की उपलब्धि यह है कि हत्या लूट डकैती महिला उत्पीड़न के मामले तेजी से आगे बढ़े हैं। कोई भी सरकार अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में सरकार की 5 वर्ष की उपलब्धि बताती है लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार की एकमात्र उपलब्धि यह है कि छत्तीसगढ़ अपराध गढ़ और भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया है। भूपेश बघेल ने नवा अपराध गढ़, भ्रष्टाचारगढ़ गढ़ दिया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड के आंकड़े पुष्टि कर रहे हैं कि कांग्रेस के राज में अपराध तेजी से बढ़े हैं। भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट यह बताती है कि वर्ष 2019- 20 - 21 में अपराध दर जो प्रति वर्ष 100,334.7 थी वह प्रति वर्ष 100, 373.4 हो गई है। कांग्रेस के राज में अपराध के फलने फूलने की कांग्रेस की देन रही है, वह छत्तीसगढ़ में फलीभूत साबित हुई है। छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध की जो रिपोर्ट सामने आई है, उसके पीछे नशे का हाथ है। कांग्रेस ने शराबबंदी की घोषणा की थी लेकिन नहीं की।शराब की वजह से सबसे ज्यादा अपराध हो रहे हैं।

प्रदेश को खुशहाल बनाना है तो बुलडोजर भी चलाना होगा - बृजमोहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे के, बयान कि बुलडोजर वाले अब नही चलेंगे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर प्रदेश में और देश में खुशहाली लाना है तो हमको बुलडोजर भी चलाना पड़ेगा और तुष्टिकरण की राजनीति भी बंद करनी पड़ेगी। छत्तीसगढ़ जो बदहाली के दौर से गुजर रहा है उसके पीछे कांग्रेस की यही नीति है जिसका परिणाम पूरा प्रदेश भुगत रहा है। बृजमोहन ने कहा कि छत्तीसगढ़ आबादी के दृष्टिकोण से देश का 22वे नंबर का राज्य है। परंतु अपराध में यह टॉप 10पर है। छत्तीसगढ़ आज ऐसा राज्य बन गया है जहां हर तरह के अपराधी, असामाजिक कृत्य हो रहे हैं। गली-गली में शराब बिक रही है, सड़कों पर रोजाना चाकूबाजी हो रही रहे हैं, रेत माफिया, जमीन माफिया, कोल माफिया, ड्रग माफिया सरकार के संरक्षण में फल फूल रहे हैं। हमारी भाजपा सरकार आने पर निश्चित रूप से हम ऐसे अवैध काम करने वालों की अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाएंगे। उन्होंने कहा कि यहां पर लगभग 10 हजार पुलिस के पद रिक्त है। जिसके चलते विभिन्न अपराध के मामलों में जांच तो प्रभावित हो ही रहा है, कानून व्यवस्था भी बदतर हो रही है।

मोदी सरकार ने देश को महंगाई, बेरोजगारी की गर्त में ढकेला - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने देश में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई पर चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि महंगी गैस, महंगा तेल, थोक और खुदरा महंगाई आजादी के बाद सर्वोच्च शिखर पर है, सिर्फ सत्ता की भूख में मोदी सरकार आम जनता की कमर तोड़ रही है, फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है। पेट्रोल-डीजल 100 के पार, रसोई गैस 1150, खाने का तेल 200 के पार। आम जनता बेबस और लाचार है पर मोदी सरकार केवल अपने चांद पूंजीपति मित्रों के मुनाफे की सोच रही है। मोदी सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी विगत 7 साल में 258 परसेंट बढ़ाया है और डीजल पर 820 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इन तमाम आंकड़ों के बावजूद मोदी सरकार द्वारा महंगाई को झुठलाया जाना यह प्रदर्शित करता है कि महंगाई को काबू करना मोदी सरकार के बस में नहीं है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा है कि एक वित्तीय वर्ष में चार बार रेपो रेट बढ़ाना यह प्रमाणित करता है कि मोदी सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में पूरी तरह नाकाम रही है। 100 दिन में महंगाई कम करने का झांसा देकर केंद्र में बैठी मोदी सरकार ने अब जनता के प्रति जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

सत्यपाल मलिक को सीबीआई का सम्मन मोदी सरकार की तिलमिलाहट - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के द्वारा पुलवामा हमले के बारे में खुलासे के बाद सीबीआई द्वारा उनको सम्मन भेजना इस बात का सबूत है कि जो भी व्यक्ति मोदी सरकार के खिलाफ बोलेगा चाहे कितनी भी प्रमाणिक बात बोलेगा उसके खिलाफ मोदी सरकार किसी भी स्तर तक जाकर प्रताड़ना की कार्यवाही करेगी। सारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को उसके पीछे लगा दिया जायेगा। यह भाजपा, आरएसएस और मोदी सरकार का फासीवादी चरित्र है जो अपने खिलाफ उठने वाली किसी भी आवाज को सुनना पसंद नहीं करते है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पुलवामा पर सत्यपाल मलिक ने जो खुलासा किया है उसके बारे में पूरे देश को इंतजार था कि शायद सरकार की तरफ से इस मामले में कोई सफाई आयेगी तथ्य रखे जायेंगे लेकिन मोदी सरकार बौखला गयी और वह अपने ही पुराने सहयोगी को प्रताड़ित करने में लग गयी है। देश की जनता जानना चाहती है कि मलिक के खुलासे पर सरकार का क्या पक्ष है? यह देश की जनता जानना चाहती है। पुलवामा हमले में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब मोदी सरकार को देना चाहिये।

ईद-उल-फितर पर्व में मांगी अमन-चैन और भाईचारे के लिए दुआएं

रायपुर। ईद-उल-फितर पर्व पर आपसी भाईचारे और एकता का पैगाम देते शनिवार को ईद की नमाज में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अमन-चैन और भाईचारे के लिए दुआएं की। नमाज के बाद गले लगकर समुदाय के लोगों के साथ ही गैर समाज के लोगों ने भी मुबारकबाद दी। 29वें रोजे की शाम चांद का दीदार होते ही शनिवार को ईद मनाने का ऐलान किया गया। शनिवार को मुस्लिम समाज के हर तबके ने अल्लाह-ता-आला के सदके में नमाज की रिवायत निभाते दुनिया में अशांति और आतंक से मुक्त करने दुआएं की। धार्मिक मान्यता है कि मोहम्मद पैगम्बर साहब के नेतृत्व में जंग-ए-बद्र की एक लड़ाई में मुस्लिमों को फतह मिली थी। इसकी खुशी में ईद पर्व मनाया जाता है । तकरीबन एक माह के कठिन रोजे रखकर मुस्लिम समाज ने अल्लाह की इबादत की। वहीं कुराने शरीफ के आयते पढकर इंसानी जीवन में उन्हें आत्मसात करने का भी संकल्प दोहराया। इस बीच नमाज अता करने के बाद मुस्लिम समाज को गैर मुस्लिमों ने गले लगकर बधाई दी। स्थानीय ईदगाह मैदान में बड़ी संख्या में हर वर्ग के लोगों ने इस अवसर पर मुबारकबाद दी। वहीं दोपहर बाद घरों में दावतों का सिलसिला चला। पारंपरिक रूप से सेवईयां भी परोसी गई।

नेता प्रतिपक्ष नहीं बन पाते सीएम, सियासी करियर पर लग जाता है ब्रेक!

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में एक दिलचस्प बात यह है कि यहां का कोई भी नेता प्रतिपक्ष अबतक सीएम नहीं बना है. साल 2000 में छत्तीसगढ़ बनने के बाद अजीत जोगी पहले मुख्यमंत्री और सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष नंदकुमार साय बने. साल 2003 में विधानसभा चुनाव हुआ और भाजपा सत्ता में आई. लेकिन भाजपा नेता नंदकुमार साय को सीएम नहीं बनाया गया.

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2003

छत्तीसगढ़ में साल 2003 में पहला विधानसभा चुनाव हुआ और भाजपा सत्ता में लौटी. उस वक्त दिलीप सिंह जूदेव, रमन सिंह, रमेश बैस, नंद कुमार साय, बलिराम कश्यप जैसे दिग्गज भाजपा नेता थे. भाजपा ने सीएम के लिए किसी का चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया. बतौर नेता

नंदकुमार साय की स्थिति मजबूत थी लेकिन साय की जगह रमन सिंह को सीएम बनाया गया. दरअसल साल 2003 में ही नंद कुमार साय की बेटी कांग्रेस में शामिल हुई थी. राजनीतिक जानकार शशांक शर्मा कहते हैं नंदकुमार साय के सीएम नहीं बनने के पीछे दो वजह है. साय अपनी बेटी के कांग्रेस में शामिल होने की वजह से सीएम की दौड़ में पिछड़ गए. दूसरा वह चुनाव भी हार गए. नंदकुमार साय को मरवाही से अजीत जोगी के खिलाफ चुनाव लड़ा दिया गया था.

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2008

साल 2003 में सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस विपक्ष में बैठी. वरिष्ठ विधायक महेंद्र कर्मा को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया लेकिन 2008 में महेंद्र कर्मा चुनाव हार गए और कांग्रेस भी सत्ता में वापसी नहीं कर सकी. 2008 में रविंद्र चौबे को नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया.

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2013

साल 2013 में भी कांग्रेस हारी. खुद नेता प्रतिपक्ष रविंद्र चौबे चुनाव हार गए. राजनीतिक जानकार शशांक शर्मा कहते हैं %%ऐसा छत्तीसगढ़ में होता आया है, जो नेता प्रतिपक्ष हुए हैं, वो चुनाव हार जाते हैं. साल 2013 में कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया.

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2018

साल 2018 के चुनाव में तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल ने खूब मेहनत की. जय वीरू की जोड़ी की मेहनत का ही नतीजा रहा कि 15 साल बाद कांग्रेस सत्ता में लौटी. मुख्यमंत्री के लिए रायपुर से दिल्ली तक खूब भागदौड़ चली. आखिरकार भूपेश बघेल को कमान सौंप दी गई. फिर सरकार के ढाई साल पूरे होने पर ढाई ढाई साल का फॉर्मूला भी चर्चा में रहा. सिंहदेव के बयानों से सियासी हलकों में सीएम बदलने की चर्चा भी खूब चली लेकिन सिंहदेव को सीएम नहीं बनाया गया. पॉलिटिकल एक्सपर्ट शशांक शर्मा भी मानते हैं कि नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने पर राजनीतिक करियर हाशिए पर चला जाता है.

पॉलिटिकल एक्सपर्ट शशांक शर्मा कहते हैं, नेता प्रतिपक्ष के सीएम न बनने के पीछे एक और बड़ी वजह है. जो नेता प्रतिपक्ष होते हैं, उसको कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिलता है. नेता प्रतिपक्ष सरकारी आभामंडल में रहता है. इस सरकारी आभामंडल के कारण उसका कनेक्शन जनता से कम होता है. नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद धीरे धीरे सरकार से भी नजदीकियां बढ़ने लगती है. धीरे धीरे वह जनता से कटने लग जाते हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.